ষট্‌ত্রিংশ খণ্ড

# স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ
কলিকাতা

স্বরলিপিকার

সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী
কাঙ্গালীচরণ সেন, দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর

প্রকাশ আষাঢ় ১৩৬১
পুনর্মুদ্রণ জ্যৈষ্ঠ ১৩৭১
সংস্করণ মাঘ ১৩৭৭
পুনর্মুদ্রণ শ্রাবণ ১৩৮২
ফাল্গুন ১৩৮৯ : ১৯০৪ শক

© বিশ্বভারতী

প্রকাশক শ্রীজগদিন্দ্র ভৌমিক
বিশ্বভারতী। ৬ আচার্য জগদীশ বসু রোড। কলিকাতা ১৭

মুদ্রক শ্রীপ্রাণকুমার মুখার্জী
এস. আন্টুল অ্যাণ্ড কোম্পানি প্রাইভেট লিমিটেড
৯১ আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায় রোড। কলিকাতা ৯

| | |
|---|---|
| অমৃতের সাগরে | ৮ |
| আজ নাহি নাহি নিদ্রা আঁখিপাতে | ৬৬ |
| আজি কমলমুকুলদল খুলিল | ৬৮ |
| আমি চঞ্চল হে | ৭২ |
| উতল ধারায় বাদল ঝরে | ৬৪ |
| কার মিলন চাও, বিরহী | ২১ |
| কী সুর বাজে আমার প্রাণে | ৭০ |
| ঘোর দুঃখে জাগিনু | ২৫ |
| জয় তব বিচিত্র আনন্দ হে কবি | ১১ |
| জাগ' জাগ' রে জাগ' সংগীত | ৪৩ |
| জাগে নাথ জোছনারাতে | ৩৯ |
| জাগো নির্মলনেত্রে | ৫৪ |
| ডাকে বার বার ডাকে | ১৩ |
| তিমিরদুয়ার খোলো | ৫৭ |
| তিমিরবিভাবরী কাটে কেমনে | ২৩ |
| তিমিরময় নিবিড় নিশা | ২৭ |
| তুমি আমাদের পিতা | ৫ |
| দাঁড়াও, মন, অনন্ত ব্রহ্মাণ্ড-মাঝে | ১৭ |
| পুষ্প ফুটে কোন্ কুঞ্জবনে | ৫৯ |
| প্রথম আদি তব শক্তি | ১৫ |
| প্রভু আমার, প্রিয় আমার, পরম ধন হে | ৩২ |
| প্রাণের প্রাণ জাগিছে প্রাণে | ৪১ |
| বিরহ মধুর হল আজি মধুরাতে | ৬২ |
| বিশ্ববীণারবে বিশ্বজন মোহিছে | ৪৫ |
| মহারাজ, একি সাজে | ১৯ |
| যদি আমায় তুমি বাঁচাও, তবে | ৩৪ |
| রাখো রাখো রে জীবনে জীবনবল্লভে | ৩৭ |
| হৃদয়ে তোমার দয়া যেন পাই | ২৯ |
| হে নিখিলভারধারণ বিশ্ববিধাতা | ১০ |

মিশ্র । একতাল

তুমি আমাদের পিতা,
তোমায় পিতা ব'লে যেন জানি,
তোমায় নত হয়ে যেন মানি,
তুমি কোরো না কোরো না রোষ।
হে পিতা, হে দেব, দূর করে দাও যত পাপ, যত দোষ—
যাহা ভালো তাই দাও আমাদের, যাহাতে তোমার তোষ।
তোমা হতে সব সুখ হে পিতা, তোমা হতে সব ভালো।
তোমাতেই সব সুখ হে পিতা, তোমাতেই সব ভালো।
তুমিই ভালো হে তুমিই ভালো, সকল-ভালোর সার।
তোমারে নমস্কার হে পিতা, তোমারে নমস্কার॥

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ১´ | | | | ২ | | | | ০ | | | | ৩ | | | |
| II { | গা | গা | গা | \| | গা | গা | -রসা | \| | গা | গা | -া | \| | রা | সা | -া | I |
| | তু | মি | আ | | মা | দে | ০র্ | | পি | তা | ০ | | তো | মা | য়্ | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | সা | রা | মা | \| | মা | মা | মা | \| | গা | মা | -া | \| | গা | গা | -রসা | I |
| | পি | তা | ব | | লে | যে | ন | | জা | নি | ০ | | তো | মা | ০য়্ | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | সা | গা | গা | \| | গা | রা | সা | \| | ন্‌া | সা | -া | \| | ধ্‌া | ধ্‌া | -ণ্‌া | I |
| | ন | ত | হ | | য়ে | যে | ন | | মা | নি | ০ | | তু | মি | ০ | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | ণ্‌া | সা | সা | \| | গা | গা | রা | \| | সা | -া | -া | \| | -া | -া | -া } | I |
| | কো | রো | না | | কো | রো | না | | রো | ০ | ০ | | ০ | ০ | ষ্ | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I { | মা | মা | মা | \| | মা | মমা | -পা | \| | পা | -া | পা | \| | পা | পা̇ | -া | I |
| | হে | পি | তা | | হে | দে০ | ব্ | | দূ | র্ | ক | | রে | দা | ও | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | মা | মা | গা | \| | -রা | সা | রা | \| | গা | -া | -া | \| | গা | গা | -রসা | I |
| | য | ত | পা | | প্ | য | ত | | দো | ০ | ষ্ | | তু | মি | ০০ | |

I সগা গা গা | গমা গা গরা | সা -া -া | -া -া -া } I
কো রো না কো রো না॰ রো ॰ ॰ ॰ ॰ র্

I { মা মা মা | মা মমা -পা | পা -া পা | পা পা -া I
যা হা ভা লো তা॰ ই দা ও আ মা দে র্

I দা দা দা | দা দা -পমা | মপা -া -া | মা গা -রসা I
যা হা তে তো মা ॰র্ তো॰ ॰ র্ তু মি ॰॰

I সগা গা গা | পমা গা গরা | সা -া -া | -া -া -া } I
কো রো না কো রো না॰ রো ॰ ॰ ॰ ॰ র্

I { ণ্া রা সা | সা সা -া | ণ্া -রা সা | ণ্া ধ্া -ণ্া I
তো মা হ তে স ব্ সু খ্ হে পি তা ॰

I ণ্া সা সা | সা সা -রা | রা গা -া | -া -া -া I
তো মা হ তে স ব্ ভা লো ॰ ॰ ॰ ॰

I গমা মা মা | -া মমা -পা | পা -া পা | পা পা -া I
তো মা তে ই স॰ ব্ সু খ্ হে পি তা ॰

I দা দা দা | -া দা -পমা | মা পা -া | -া -া -া } I
তো মা তে ই স ॰ব্ ভা লো ॰ ॰ ॰ ॰

I ণ্া সণ্া রা | রা রা সা | ণ্া সণ্া রা | সা ণ্া -ধ্া I
তু মি॰ ই ভা লো হে তু মি॰ ই ভা লো ॰

I ণ্া সা সা | সা সা -ঋা | সা -া -া | -া -া -া I
স ক ল ভা লো র্ সা ॰ ॰ ॰ ॰ র্

I সা রা মা | মা মা -া | গমা -পদা দা | দা পা -া I

তো মা রে  ন ম স্  কা॰ ॰র্ হে  পি তা ॰

I দা পা মা | মগা সা -রা | গা -া -া | -মা -পা -মা I

তো মা রে  ন ম স্  কা ॰ ॰  ॰ ॰ র্

I মা মা গা | গা রা -গা | রসা -া -া | -া -া -া II II

তো মা রে  ন ম স্  কা ॰ ॰  ॰ ॰ র্

২

কামোদ। ধামার

অমৃতের সাগরে
আমি যাব যাব রে,
তৃষ্ণা জ্বলিছে মোর প্রাণে ॥
কোথা পথ বলো হে
বলো, ব্যথার ব্যথী হে—
কোথা হতে কলধ্বনি আসিছে কানে ॥

৩
II রা -পমা পা -া I
অ • • মৃ •

১
I ধা -াঃ -ণঃ | পা -া | -া পা | মা -পধা -মা | -পা মা -গমা -রা I
তে • • র • • সা গ • • • • রে • • •

I রা গা -া | মা -া | -গধা পা | মা -গা -মা | রা -া সা -া I
আ মি • যা • • • ব যা • • ব • রে •

I সা -া -ঋসরা | রা -া | -া রা | রা গা -া | -ঋগা -মণা ধা -পা I
তৃ • • ষ্ ণা • • জ্ব লি ছে • • • • মো র্

I মা -া -গা | -মা -রা | -গা -ন্া | -রা সা -া II
প্রা • • • • • • • ণে •

II { পা পর্সা -া | -া -ঋর্সধা | না র্সা^ন | র্সর্রা র্সা র্সা | -না র্সনা র্রর্সা -র্সা I
কো থা • • • • প থ ব লো হে • ব • লো • •

I নর্সা -া -র্সধা | র্সাঃ -নঃ | র্সর্রাঃ -র্সঃ | র্সর্রা র্সাঃ -নঃ | নর্সা -া -ধা -ণপা } I
ব্য • • • থা • র • ব্য থী • হে • • • •

I পা পর্রাঃ -র্সঃ | র্সর্রা -া | র্সা -া | র্সর্রা র্সাঃ -নঃ | র্সা -ধা -া পা I
কো থা • হ • তে • ক ল • ধ্ব • • নি

I মা পা -া | ধনা -র্সা | -র্সধা পা | -মপা মা -গমা II II
আ সি • ছে• • • • কা • • নে • •

# ৩

## গৌড়। ঝাঁপতাল

হে নিখিলভারধারণ বিশ্ববিধাতা,
হে বলদাতা মহাকালরথসারথি ॥
তব নামজপমালা গাঁথে রবি শশী তারা,
অনন্ত দেশ কাল জপে দিবারাতি ॥

৩ ১´ ২ ০ ৩
সণা -া পা II পণা মা | পা -া পা | মা -পা | ধা -র্সা র্সা I
হে ০ নি খি ল ভা ০ র ধা ০ র ০ ণ

॥
I নর্সা -ধা | পা -মা ধা | পমা -পা | মজ্ঞা -া -া I
বি শ্‌ শ ০ বি ধা০ ০ তা০ ০ ০

I জ্ঞমা -া | রা রা রা | সা -া | ণা ধণা -া I
হে ০ ব ল দা তা ০ ম হা ০

I মজ্ঞা -া | জ্ঞা মা জ্ঞমা | রা -া | সা সণা পা II
কা০ ০ ল র থ সা ০ র থি "নি"

II { মা মা | ণধা -ণধা ণা | ণা র্সা | র্সা -া র্সা I
ত ব না০ ০০ ম জ প মা ০ লা

I ণা র্সা | র্রা র্সা র্রা | র্সাঃ -র্রঃ | ণা -র্সা র্সা } I
গাঁ থে র বি শ শী ০ তা ০ রা

I ধণা -া | পা -া মা | রা মা | পা -ণা র্সা I
অ ০ ন ন্‌ ত দে শ কা ০ ল

I র্সা র্সা | ণা পা -মা | রা -সা | সণা -া পা II II
জ পে দি বা ০ রা ০ তি ০ "নি"

৪

বৃন্দাবনী সারঙ্গ। তেওরা

জয় তব বিচিত্র আনন্দ, হে কবি,
জয় তোমার করুণা।
জয় তব ভীষণ সব-কলুষ-নাশন রুদ্রতা।
জয় অমৃত তব, জয় মৃত্যু তব,
জয় শোক তব, জয় সান্ত্বনা॥
জয় পূর্ণজাগ্রত জ্যোতি তব,
জয় তিমিরনিবিড় নিশীথিনী ভয়দায়িনী।
জয় প্রেমমধুময় মিলন তব,
জয় অসহ বিচ্ছেদবেদনা॥

৩ ১´ ২ ৩ ১´ ॥ ২ ৩
সা সা II রা মা মা | পা -না | না না I র্সা -া র্সা | র্সা -না | র্রা র্রা I
জ য় ত ব বি চি • ত্র আ ন ন্ দ হে • ক বি

I র্সা র্সা না | পা পা | না না I র্সা -া -া | র্সা র্সা | র্সা র্সা I
জ য় তো মা র ক রু ণা • • জ য় ত ব

I র্সা -া না | পা -া | মা মা I না না পা | মা -া | রা মা I
ভী • ষ ণ • স ব ক লু ষ না • শ ন

I রা -া রা | সা -া | ন্‌া সা I রা মা মা | পা পা | পা পা I
রু • দ্র তা • জ য় অ মৃ ত ত ব জ য়

I না -মা মা | পা পা | না না I র্সা -া র্সা | না র্সা | র্রা র্রা I
মৃ ৎ তু ত ব জ য় শো • ক ত ব জ য়

I র্সা -া না | পা -া | মা মা II
সা ন্ ত্ব না • "জ য়"

-া -া | না না II { না -র্সা র্সা | র্সা -া | র্সা র্সা I
• • জ য় পূ র্ ণ জা • গ্র ত

I র্সর্রা -া না | র্সা না | (পা না) } I র্সা র্সা I র্সা র্সা র্সা | র্সা র্সা | র্সা না I
জ্যো • তি ত ব জ য় জ য় তি মি র নি বি ড় নি

I র্সর্সা -র্রা র্সা | র্রা -া | না না I না -র্সা না | র্সা -া | মা মা I
শী • • থি নী • ভ য় দা • য়ি নী • জ য়

I { পা -না না | র্সা না | র্সা র্রা I র্সা র্সা র্সা | না না | পা মা } I
প্রে • ম ম ধু ম য় মি ল ন ত ব জ য়

I র্সা র্সা না | পা -া | মা পা I মা -রা রা | সা -া | সা সা II II
অ স হ বি চ্ ছে দ বে • দ না • "জ য়"

## ৫

কেদারা। ত্রিতাল

ডাকে বার বার ডাকে,
শোনো রে, দুয়ারে দুয়ারে আঁধারে আলোকে ॥
কত সুখদুঃখশোকে
কত মরণে জীবনলোকে
ডাকে রুদ্রভয়ঙ্কর রবে—
সুধাসঙ্গীতে ডাকে দ্যুলোকে ভূলোকে ॥

সা II { মা -া -া মা | মগা পাঃ -ক্ষাঃ পক্ষা I
ডা কে • • বা র• বা • র•

I ধা -া -াঃ -ক্ষাঃ | ( পা -া -া সা ) } | পা -া -া পক্ষা | পক্ষা ধা -াঃ -ক্ষাঃ | পা পা -র্সা -া I
ডা • • • কে • • ডা কে • • শো• নো• রে • • দু য়া • •

I নর্সনা -া ধনা পধা | -পপা মা -া -া | গা -পা -ধনা পধা | -পপা মা -া -া I
রে• • দু• য়া• •• রে • • আঁ • •• ধা• •• রে • •

I মা -গা -মপা -গমা | রা নরা -সসা সা II
আ • •• •• লো কে• •• "ডা"

-া II { পা পা র্সা র্সা | র্সা -া র্সনা র্রা I
• ক ত সু খ দু ক্ খ• শো

I র্সা -া -া র্সা | নর্সা র্সা -র্মা র্রা | র্সা -া র্সা র্সনা | র্সর্রা -র্সর্সা -ধা পা I
কে • • ক ত ম • র ণে • জী ব• ন• •• • লো

I -পা মা -া -া | (-গা -মগা -পা -া)} | গা -পক্ষা পা -া | -া -া -া ক্ষপধা | -নক্ষা -ধপপা মা মা I
• কে • • • •• • • ডা •• কে • • • • ব•• •• ••রু দ্র ভ

I গমপা -মগমা রা সন্‌া | রা সা -া -া | ঋপা মগা -মা রা | সন্‌া -রা সা -া I
র•• ••ঙ্‌ ক র• র বে • • সু ধা• • সঙ্‌ গী• • তে •

I -া -া -া সা | -র্সা র্সা -া -া | সা সা -মা -া | গা -পা -ঋধা -পপা I
• • • ডা • কে • • দ্যু লো • • কে • •• ••

I মা -গা -মপা -গঃ৹মঃ | রা ন্‌রা -সসা সা II II
ভূ • •• •• লো কে• •• "ডা"

৬

**দীপক[1] । সুরফাঁকতাল**

প্রথম আদি তব শক্তি—
আদি পরমোজ্জ্বল জ্যোতি তোমারি হে
গগনে গগনে ॥
তোমার আদি বাণী বহিছে তব আনন্দ,
জাগিছে নব নব রসে হৃদয়ে মনে ॥
তোমার চিদাকাশে ভাতে সূরয চন্দ্র তারা,
প্রাণতরঙ্গ উঠে পবনে।
তুমি আদিকবি, কবিগুরু তুমি হে,
মন্ত্র তোমার মন্দ্রিত সব ভুবনে ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ১´ | | | | | ২ | | | ৩ | | | ॥ | |
| ধা | মা | ধা | II | র্সা | -া | -া | না | \| | ধা | ধা | \| | মা | -গা | -মা | মা | I |
| প্র | থ | ম | | আ | ০ | ০ | দি | | ত | ব | | শ | ০ | ক্ | তি | |
| | | | I | মা | -া | -া | মা | \| | গা | গা | \| | ঋা | -া | সা | সা | I |
| | | | | আ | ০ | ০ | দি | | প | র | | মো | জ্ | জ্ব | ল | |
| | | | I | ন্সা | -া | গা | গা | \| | মা | -া | \| | ধা | ধা | মা | ধা | I |
| | | | | জ্যো | ০ | তি | তো | | মা | ০ | | রি | হে | গ | গ | |
| | | | I | না | -র্সা | র্সা | র্সা | \| | র্ঋা | -না | \| | -া | ধা | মা | ধা | II |
| | | | | নে | ০ | গ | গ | | নে | ০ | | ০ | "প্র | থ | ম" | |
| | | | II { | মা | ধা | -না | র্সা | \| | র্ঋা | -া | \| | র্সা | র্সনা | -র্সা | র্সা | I |
| | | | | তো | মা | ০ | র | | আ | ০ | | দি | বা০ | ০ | ণী | |
| | | | I | নর্সা | র্সা | র্সা | -া | \| | র্সা | র্সা | \| | নর্সা | না | -ধা | না } | I |
| | | | | ব | হি | ছে | ০ | | ত | ব | | আ | ন | ন্ | দ | |
| | | | I | র্সা | -া | র্গা | র্গা | \| | র্ঋা | র্ঋা | \| | র্সা | না | র্সা | সা | I |
| | | | | জা | ০ | গি | ছে | | ন | ব | | ন | ব | র | সে | |

I ধনা না র্সা র্সা | ঋঁা -না | -া ধা মা ধা II
হৃ দ য়ে ম নে • • "প্র থ ম"

II { সা -া মা -া | মা মা | মা -া গা -া I
তো • মা • র চি দা • কা •

I মা -ধা ধা -গা | -মা মা | গা -া ঋা সা I
শে • ভা • • তে সূ • র য

I সা -গা গা মা | -ধা ধা | মা ধা ধা না I
চ ন্ দ্র তা • রা প্রা ণ ত র

I -র্সা র্সা ধনা না | র্সা র্সা | ঋঁা -না -ধা -া } I
ঙ্ গ উ ঠে প ব নে • • •

I { মা -া ধা -া | না -া | র্সা র্সা র্সা -া I
তু • মি • আ • দি ক বি •

I ধনা না র্সা র্সা | র্সা র্সা | ঋঁা -না -র্সা -া } I
ক বি গু রু তু মি হে • • •

I র্সা -া র্গা র্গা | ঋঁা -া | সা -না সা র্সা I
ম ন্ ত্র তো মা র্ ম ন্ ত্রি ত

I ধনা না র্সা র্সা | ঋঁা -না | -া ধা মা ধা II II
স ব ভু ব নে • • "প্র থ ম"

১ পূর্বে 'দীপক-পঞ্চম' ছাপা হইয়াছিল, বস্তুতঃ 'দীপক' হইবে।— স্বরলিপিকার

## ৭

ভীমপলশ্রী । সুরফাঁক্তা

দাঁড়াও, মন, অনন্ত ব্রহ্মাণ্ড-মাঝে আনন্দসভাভবনে আজ
বিপুলমহিমাময়, গগনে মহাসনে বিরাজ করে বিশ্বরাজ ॥
সিন্ধু শৈল তটিনী মহারণ্য জলধরমালা
তপন চন্দ্র তারা গভীর মন্দ্রে গাহিছে শুন গান ।
এই বিশ্বমহোৎসব দেখি মগন হল সুখে কবিচিত্ত,
ভুলি গেল সব কাজ ॥

১ [পা -া] ২ ৩

II সা -া র্সা -া | ণা ধণা | .পা পণা -ণা মা I
দাঁ • ড়া ও ম ন অ ন ন্ ত

I পা -া মজ্ঞা -মা | -জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা -মা মা -পা I
ব্র • হ্মা • ণ্ ড মা • ঝে •

I পণা -া পা -াম | পমা -পা | -মা -া -া ণা I
আ • ন ন্ দ • • • • স

I সা -মা মা মা | মজ্ঞা -া | মজ্ঞা -া -রা সা II
ভা • ভ ব নে• • আ • • জ

[ণা]

II {পা পা মজ্ঞা মা | পা না | -া -র্সা র্সা র্সা I
বি পু ল ম হি মা • • ম য়

I র্সনা র্সা র্সর্মা -র্জ্ঞা | -র্রা র্সা | ণা -ণা পা পা} I
গ গ নে • • ম হা • স নে

I মজ্ঞা মা -জ্ঞা মা | পা ণা | -পা না -র্সা র্সা I
বি রা • জ ক রে • বি শ্ ব

I র্সা -না -র্রা -র্সা | -ণা -পা | -মা -পা -জ্ঞা মা I [ ] :

রা • • • • • • • • জ

II { পা -া পা মা | -জ্ঞা মা | মা পা পা -া I

সি ন্ ধু শ ই ল ত টি নী •

I পা পা -া না | -া র্সা | র্সা না র্রা র্সা I

ম হা • র ণ্ ণ জ ল ধ র

I ণা -ধা ণা -পা | পা পা | পা মা -জ্ঞা জ্ঞা I

মা • লা • ত প ন চ ন্ দ্র

I জ্ঞা -মা -পা পা | ণা ধণা | ধা পা -া মা I

ভা • • রা গ ভী র ম ন্ দ্রে

I জ্ঞা -পা মা পা | মা জ্ঞা | মজ্ঞা -া -রা সা } I

গা • হি ছে শু ন গা • • ন

I পা -া পা মা | -জ্ঞা মা | পা র্সা -া -না I

এ • ই বি শ্ শ ম হো • ৎ

I র্সা র্সা র্সা -না | র্সা -র্সা | -র্জ্ঞা -া র্রা র্সা I

স ব দে • খি • • • ম গ

I র্রর্রা -না র্সা র্সা | র্সা নর্সা | -া -ণা পা পা I

ন • • হ ল সু খে • • ক বি

I মজ্ঞা -া জ্ঞা -মা | পা না | না র্সা র্সা র্সা I

চি ৎ ত • ভু লি গে ল স ব

I র্সা -না -র্রা -র্সা | -ণা -পা | -মা -পা -জ্ঞা মা II [ ] II

কা • • • • • • • • জ

## ৮

### বেহাগ । ঝাঁপতাল

মহারাজ, একি সাজে এলে হৃদয়পুরমাঝে !
চরণতলে কোটি শশী সূর্য মরে লাজে ॥
গর্ব সব টুটিয়া   মূর্ছি পড়ে লুটিয়া,
সকল মম দেহ মন বীণাসম বাজে ॥
একি পুলকবেদনা বহিছে মধুবায়ে !
কাননে যত পুষ্প ছিল মিলিল তব পায়ে ।
পলক নাহি নয়নে,   হেরি না কিছু ভুবনে—
নিরখি শুধু অন্তরে সুন্দর বিরাজে ॥

```
           ১´            ২                       ০              ৩       ।
না   না II র্র্সা   -া  |  র্সনা   না   পাক্ষ  |  ধপা   -াম  |  মা   -গা   -া  I
ম    হা    রা     ০      জ      এ    কি       সা     ০        ঝে    ০.   ০

I  গা    গা  |  মা   পা   মা  |  গা    গা  |  রসা   -সা   সা  I
   এ     লে     হৃ   দ    য়     পু    র     মা ০   ০     ঝে

I  সন্া   ন্া  |  সা   গা   মা  |  পা   -া  |  পা   না   না  I
   চ ০   র      ণ    ত    লে    কো   ০     টি   শ    শী

I  র্সর্সা  -র্গা  |  র্রা   র্সা   র্সনা  |  ণনা ‿ -পা  |  পা   না    না II
   সূ ০    র্       য    ম    রে ০     লা     ০     জে   "ম   হা"

II { পা   -া  |  পা   না   না  |  র্সা   র্সনা  |  র্র্সা   -র্সা   -া  I
     গ    র্     ব    স    ব     টু     টি ০     য়া ০   ০      ০

I  পসা   -া  |  র্সা   র্সর্রা   র্সা  |  না   পা  |  র্সনা   -া   -া } I
   মূ    র্     ছি    প ০     ড়ে     লু   টি     য়া     ০    ০
```

I র্সা র্গা | র্গা র্মা র্পা | র্মর্পর্মা -া | র্গর্রা র্সা না I
স ক ল ম ম দে৹ ৹ হ৹ ম ন

I র্সা -র্সর্গা | র্রা র্সা র্সনা | ধনা -পা | পা না না II
বী ৹ ৹ ণা স ম৹ বা ৹ জে "ম হা"

II { সা সা | পা পা পা | পা -হ্মা | পহ্মা ধপা -মগা I
এ কি পু ল ক বে ৹ দ৹ না ৹ ৹

I গা গা | মা পা পমা | গা -ার | সা -া -া I
ব হি ছে ম ধু বা ৹ রে ৹ ৹

I সা ন্া | সা গা মা | পাঃ -মঃ | মা গা গার I
কা ন নে য ত পু ষ্ প ছি ল

I সা গা | গা মা পা | মাঃ -গঃ | রগা -া -া } I
মি লি ল ত ব পা ৹ রে ৹ ৹

I { পা পা | পা না না | র্সা র্সনা | র্রর্সা -র্সা -া I
প ল ক না হি ন য়৹ নে৹ ৹ ৹

I পর্সা র্সা | র্সা র্সর্রা র্সা | না পা | র্সনা -া -া } I
হে রি না কি৹ ছু ভু ব নে ৹ ৹

I র্সা র্গা | র্গা র্মা র্পা | র্মর্পর্মা -া | র্গা র্রর্সা -না I
নি র খি শু ধু অ৹ ন্ ত রে৹ ৹

I র্সা -র্সর্গা | র্মর্গর্রা র্সা র্সনা | ধনা -পা | পা না না II II
সু ৹ন্ দ৹ র বি৹ রা ৹ জে "ম হা"

## ৯

### শ্রীরাগ। তেওরা

কার মিলন চাও বিরহী—
তাঁহারে কোথা খুঁজিছ ভব-অরণ্যে
কুটিল জটিল গহনে শান্তিসুখহীন ওরে মন ॥
দেখো দেখো রে চিত্তকমলে চরণপদ্ম রাজে— হায় !
অমৃতজ্যোতি কিবা সুন্দর ওরে মন ॥

৩ ১´ ২ ৩ ১´ ২ ॥ ৩ ৩
সা -ন্‌া II { ঋা ঋা ঋা | সা -া | ন্‌া দ্‌া I ন্‌সা -া -া | -া -া | ( সা -ন্‌া ) } I ন্‌া সা I
কা র্ মি ল ন চা ও বি র হী • ∘ • • কা র্ তাঁ হা

I সপা -া পা | জ্ঞা -পা | জ্ঞাপা -দা I জ্ঞা গা -া | -া -া | গা জ্ঞা I
রে • কো থা • খুঁ • • জি ছ • • • ভ ব

I পা পনা -া | দা পা | জ্ঞা গা I গা পজ্ঞা জ্ঞা | গা জ্ঞা | গা -া I
অ র ণ্ ণে কু টি ল জ টি ল গ হ নে •

I ঋা -া সা | ন্‌া সা | পা -া I ঋা -া ঋা | সা -া | সা -ন্‌া II
শা ন্ তি সু খ হী ন্ ও • রে ম ন্ "কা র্"

-া -া II { পদা -া দা | না না | র্সা -া I নর্সা -র্ঋা র্সা | না দা | পা -জ্ঞা } I
∘ • দে ∘ খো দে খো রে • চি ∘ ৎ ত ক ম লে •

I { জ্ঞা পা পা | জ্ঞাপা -দা | দা -া I জ্ঞা -া গা | গা -ঋা | -গা -া } I
চ র ণ প • • দ্ম • রা • জে হা • • য়্

I र्সা র্সা না | র্সা -র্সা | র্গা -া I র্ঋা র্ঋা -া | র্সা -না | র্সা র্সা I
অ মৃ ত জ্যো • তি • কি বা • সু ন্ দ র

I ঋা -া ঋা | সা -া | স্না -ন্ II II
ও • রে ম ন্ "কা বৃ"

বেহাগ। ত্রিতাল

তিমিরবিভাবরী কাটে কেমনে
জীর্ণ ভবনে, শূন্য জীবনে—
হৃদয় শুকাইল প্রেম বিহনে ॥
গহন আঁধার কবে  পুলকে পূর্ণ হবে
ওহে আনন্দময়, তোমার বীণারবে—
পশিবে পরানে তব সুগন্ধ বসন্তপবনে ॥

II পা মপা গা মা | পা -া না না I
তি মি র বি ভা • ব রী

১´ ২ ০ ৩

I না -নর্সা র্সা ধনা | -া পক্ষা ধপা -া | মপা -া মা গা | -মগা রগা পাঃ -মঃ I
কা • • টে কে • ম • নে • জী র্ ণ ভ • • ব নে •

I গমা -পা মা গা | -ঃ-রঃ সন্া সা -া | সন্া সা গা মা | পা -া না না I
শূ • ন্ ন জী • • ব • নে • হৃ • দ য় শু কা • ই ল

I র্সা -নর্গা র্রা র্সা | -নর্রা র্সা না -পা II
প্রে • • ম বি • • হ নে •

II {পা পা পা না | না না না না | র্সা র্সা র্সনা র্রর্সা | -র্সা র্সা র্সা র্সা I
গ হ ন আঁ ধা র ক বে পু ল কে • পূ • র্ ণ হ বে

I পর্সা র্সা র্সা সা | -া র্সনা র্রা র্সা | না না নপা পা | -নধা সা র্সা না} I
ও হে আ ন ন্ দ • ম য় তো মা র • বী • • ণা র বে

I  র্সা  র্গা  র্গা  র্গা  |  -র্মর্গা  র্মর্গা  র্গর্পা  .-া  |  র্মর্গা  র্পা  র্মা  র্গা  |  -ঃ-র্রঃ  র্সা  না  -া  I
প  শি . বে  প  ••  রা  নে  •  ত•  ব  সু  গ  •ন্  ধ  ব  •

I  র্সা  -র্গা  র্রা  র্সা  |  -নর্রা  র্সা  না  -পা  II  II
স  ন  ত  প  ••  ব  নে  •

## ১১

বিভাস । ত্রিতাল

ঘোর দুঃখে জাগিনু, ঘনঘোরা যামিনী
একেলা হায় রে— তোমার আশা হারায়ে
ভোর হল নিশা, জাগে দশ দিশা—
আছি দ্বারে দাঁড়ায়ে
উদয়পথপানে দুই বাহু বাড়ায়ে ॥

০ ৩
II { ধা -া পাঃ -পঃ | -গপা গা -া রা I
ঘো ০ র ০ ০০ দু ক্ খে

১´ ২ ॥ ০ ৩
I সরা -রসা -সা রা | গা -া -া -া } | -া -া -া পা | ধা র্সা র্সা -র্সা I
জা০ ০০ ০ গি নু ০ ০ ০ ০ ০ ০ ঘ ন ঘো রা ০

I ধা -া পা -া | ধপা -পা -গা -া | -ধা -া -া পা | গপা গা -া -রা I
যা ০ মি ০ নী০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ এ কে লা ০ ০

I -ন্রা -সসা -া -া | সরা -সসা -া সা | -সা -ধ্া -া সা | ধ্া সা -া রা I
০০ ০০ ০ ০ হা০ ০০ য় রে ০ ০ ০ তো মা র ০ আ

I পা -া গা -রা | সরা -গরা সরা -সসা II
শা ০ হা ০ রা০ ০০ য়ে০ ০০

II -া -া -া গা | -া -া পা ধা I
০ ০ ০ ভো ০ ০ র হ

I { র্সা -া -া -া | -াঃ -নঃ র্রা র্সা | -া -া -া র্সা | -ধা -া র্সা র্রা I
ল ০ ০ ০ ০ ০ নি শা ০ ০ ০ জা ০ ০ গে দ

I  র্সর্রা  -র্গা  -া  -র্রা  |  র্সনা  র্রর্সা  -র্সধা  -া  |  ( -পধা  -র্সা  -া  গা  |  -া  -া  পা  ধা ) }  I
শ•  •  •  •  দি•  শা•  ••  •  ••  •  •ভো  •  •  র  হ

|  -পধা  -র্সা  -া  -া  |  -র্সা  ধা  -া  পা  I  ধপা  -পা  গা  -া  |  গা  -পাঃ  -পঃ  -ধা  |
••  •  •  •  •আ  •  ছি  যা•  •  রে  •  দাঁ  •  •  •

|  পা  -পা  গা  -রা  |  -ন্রা  -সসা  -া  গা  I  গা  পা  -া  ধা  |  র্সা  -াঃ  -নঃ  র্রা  |
ড়া  •  য়ে  •  ••  ••  •  উ  দ  য়  •  প  থ  •  •  পা

|  র্সা  -া  -া  র্সা  |  -ধা  র্সাঃ  -নঃ  র্রা  I  নর্সা  -ধা  পপা  -গা  |  -ধধা  পপা  -গরা  -সসা  II  II
নে  •  •  চু  ই  বা  •  হু  বা  •  ড়া•  •  ••  য়ে•  ••  ••

## ১২

### মেঘ। ঝাঁপতাল

তিমিরময় নিবিড় নিশা নাহি রে নাহি দিশা—
একেলা ঘনঘোর পথে, পান্থ, কোথা যাও॥
বিপদ দুখ নাহি জানো, বাধা কিছু না মানো,
অন্ধকার হতেছ পার— কাহার সাড়া পাও॥
দীপ হৃদয়ে জ্বলে, নিবে না সে বায়ুবলে—
মহানন্দে নিরন্তর একি গান গাও।
সমুখে অভয় তব, পশ্চাতে অভয়রব—
অন্তরে বাহিরে কাহার মুখ চাও॥

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ১´ | | ২ | | | ০ | | ৩ | | ' |
| II | না | না \| | না | র্সা | র্সা \| | ণা | ণা \| | পা | মা | পা I |
| | তি | মি | র | ম | য় | নি | বি | ড় | নি | শা |
| I | পণা | -া \| | পা | মা | -পা \| | মা | -গমা \| | রা | সা | সা I |
| | না | ० | হি | রে | ० | না | ०० | হি | দি | শা |
| I | সা | রা \| | মরা | মা | পা \| | পণা | -া \| | পা | মা | পা I |
| | এ | কে | লা० | ঘ | ন | ঘো | ० | র | প | থে |
| I | র্সা | -া \| | ণা | পা | -া \| | মা | -পা \| | পণা | -মা | -পা II |
| | পা | ন্ | থ | কো | ० | থা | ० | যা | ० | ও |
| II { | মা | পা \| | পা | না | না \| | র্সা | -া \| | র্সা | র্সা | র্সা I |
| | বি | প | দ | দু | খ | না | ० | হি | জা | নো |
| I | র্মা | -া \| | র্রা | -া | র্সা \| | না | র্সা \| | ণা | -পা | পা } I |
| | বা | ० | ধা | ० | কি | ছু | না | মা | ० | নো |

I র্মা -া | র্মা র্রা র্মা | র্রা র্সা | না মা পা I
অ ন্ ধ কা র হ তে ছ পা য়

I না র্সা | ণা -া পা | মা -পা | পণা -মা -পা II
কা হা র • সা ড়া • পা • ও

II { মা -রা | রা মা পা | ণা -পা | ণা পা -া I
দী • প হৃ দ য়ে • জ্ব লে •

I না না | র্সা -া র্সা | ণা -পা | ণা পা পা I
নি বে না • সে বা • য়ু ব লে

I মা গাম | রা -পা পা | মা গমা | রা সা -া I
ম হা ন ন্ দে নি রন্ ত র •

I সা রা | মা -া পা | পণা -মা | পা -া -া } I
এ কি গা • ন গা • ও • •

I { মা পা | না -া না | র্সা র্সা | র্সা র্সা -া I
স মু খে • অ ভ য় ভ ব •

I না -সা | র্রা -র্মা র্রা | র্সা র্সা | ণপা ণা পা } I
প শ্ চা • তে অ ভ য় • র ব

I র্রা -া | র্মা -া র্রা | র্সা র্সা | ণা -পা -র্রা I
অ ন্ ত • রে বা হি রে • •

I র্সা র্সা | ণা -পা পা | মা -পা | পণা -মা -পা II II
কা হা র • মু খে • চা • ও

## ১৩

**মিশ্র পরজ। ত্রিতাল**

হৃদয়ে তোমার দয়া যেন পাই।
সংসারে যা দিবে মানিব তাই,
হৃদয়ে তোমায় যেন পাই ॥
তব দয়া জাগিবে স্মরণে
নিশিদিন জীবনে মরণে,
দুঃখে সুখে সম্পদে বিপদে
তোমারি দয়া-পানে চাই—
তোমারি দয়া যেন পাই ॥
তব দয়া শান্তির নীরে
অন্তরে নামিবে ধীরে।
তব দয়া মঙ্গল-আলো
জীবন-আঁধারে জ্বালো—
প্রেমভক্তি মম সকল শক্তি মম
তোমারি দয়ারূপে পাই,
আমার ব'লে কিছু নাই ॥

২ ০ ৺
II { দা না র্সা না | দর্সা -না দা পা | দপা -ক্ষা পা দা I
হৃ দ য়ে তো মা০ ০ র দ য়া০ ০ যে ন

১´ ২ ॥ ০ ৩
I না -া -র্সা -া } | -া -া -া -া | দা -র্সনা র্সা র্সা | র্না -া দা পা I
পা ০ ০ ই ০ ০ ০ ০ স ০ঙ্ সা রে যা০ ০ দি বে

I পক্ষা -া পা দা | ক্ষা -পা -গা -া | ক্ষা দা দা দা | না -া র্সা র্সর্ঋা I
মা ০ নি ব তা ০ ০ ই হৃ দ য়ে তো মা য়্ যে ন০

I না -া -র্সা -া II
পা ০ ০ ই

II { দা দা দা দা | না -া র্সা র্সর্ঋা I
তবদয়া জা ৹ গি বে৹

I না না র্সা -া | -া -া -া -া | র্সা র্সা না দা | ণ্দা -নর্সর্ঋা র্সা না I
স্মরণে ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ নি শি দি ন জী৹ ৹৹৹ ব নে

I না না না -া | ( -া -র্সর্ঋা -ঋর্সা -র্সনা ) } | -া -া -া -া | { মা -া মা -া | মা -া মা -গা I
মরণে ৹ ৹ ৹৹ ৹৹ ৹৹ ৹ ৹ ৹ ৹ দু ক্ খে ৹ সু ৹ খে ৹

I মা -গা গা দা | ( দা দা পা -া ) } | দা দা পা মগা | মা -দা দা দা | না -া র্সা র্সর্ঋা I
স ম্ প দে বি প দে ৹ বি প দে তো৹ মা ৹ রি দ য়া ৹ পা নে৹

I না -া -র্সা -া | -া -া -া -া | র্সা র্গা র্গা র্গা | র্মা -র্গা র্ঋা র্সা I
চা ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ই ৹ তো মা রি দ য়া ৹ যে ন

I না -া -র্সা -া II
পা ৹ ৹ ই

II { সা মা মা মা | মা -া মা মা I
তবদয়া শা ন্ তি র

I মা -গপা মা -া | -া -া -পগা -া | গা -মগা সা ঋা | গা -মপা মা গা I
নী ৹৹ রে ৹ ৹ ৹ ৹৹ ৹ অ ৹ন্ ত রে না ৹৹ মি বে

I ঋা -া সা -া | -া -া -া -া } | { দা দা দা দা | না -া র্সা র্সর্ঋা I
ধী ৹ রে ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ তবদয়া ম ঙ্ গ ল৹

I র্সনা -া র্সা -া | -া -া -া -া | র্সা -া না দা | ণ্দা -নর্সর্ঋা র্সা না I
আ ৹ লো ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ জী ৹ ব ন ধা৹ ৹৹৹ ধা রে

I না -া না -া | ( -া -র্সর্ঋা -র্ঋর্সা -র্সনা ) } | -া -া -া -া | { মা -া মা মা | -া মা মা মগা I
আ • লো • • • • • • • • • • • • প্রে • ম ভ কৃ তি ম ম •

I মা ণা ণা দা | -া দা পা পা } | মা দা দা দা | না -া র্সা র্ঋর্সা I
স ক ল শ কৃ তি ম ম তো মা রি দ র • রূ পে•

I না -া -র্সা -া | -া -া -া -া | র্সা র্গা র্গা র্গা | র্মা -র্গা র্ঋা র্সা I
পা • • • • • ই • আ মা র ব' লে • কি ছু

I না -া -র্সা -া II II
না • • ই

## কেদারা । একতাল

প্রভু আমার, প্রিয় আমার পরম ধন হে ।
চিরপথের সঙ্গী আমার চিরজীবন হে ॥
তৃপ্তি আমার, অতৃপ্তি মোর,
মুক্তি আমার, বন্ধনডোর,
দুঃখসুখের চরম আমার জীবন মরণ হে ॥
আমার সকল গতির মাঝে পরম গতি হে,
নিত্য প্রেমের ধামে আমার পরম পতি হে
ওগো সবার, ওগো আমার,
বিশ্ব হতে চিত্তে বিহার—
অন্তবিহীন লীলা তোমার নূতন নূতন হে ॥

১ ২ ০ ৩
II মা মা রা | সা -মা মা | মা মা মা | মগা -পা পা I
প্র ভু আ মা ০ র প্রি য় আ মা০ ০ র

I পক্ষা পক্ষা পা | ধাঃ -ণঃ পা | পধা -পা -া | -মা -া -া I
প০ র০ ম ধ ০ ন হে০ ০ ০ ০ ০ ০

I মা মা মা | মা -গপা পপা | মা -গা মা | রা সা -া I
চি র প থে ০০ র স ঙ্ গী আ মা র্

I সা সমা মা | রা -া সা | সমা -া -গা | -পা -া -া II
চি র০ জী ব ০ ন হে ০ ০ ০ ০ ০

II { পক্ষা -ধা পা | নধা নধা -না | র্সনা র্রর্সা -র্সা | র্সা র্সা -া I
তৃ০ প্ তি আ০ মা০ র্ অ০ তৃ০ প্ তি মো র্

I র্সা -ধা না | র্সা সনা -র্রা | র্সা -না সনা | র্সনা র্সধা -া } I
মু ক্ তি আ মা০ র্ ব ন্ ধ০ ন০ ডো০ র্

I র্সা -র্গা র্গর্মা | র্রা র্সা র্সা | র্সা র্সনা ধনধা | না র্সা র্সা I
দু ক্ খ• সু খে র চ র• ম• আ মা র

I র্রা র্সা নধা | র্সা না ধপা | ধপা -া -া | -মা -া -া II
জী ব ন• ম র ণ• হে • • • • •

II { সা সা -মা | মা মা মা | মা মা মা | মগা -পক্ষা পা I
আ মা র্ স ক ল গ তি র মা• •• ঝে

I পক্ষা পক্ষা পপা | ধা ধাঃ -ণঃ | পা -মা -া | -া -া -া I
প• র• ম• গ তি • হে • • • • •

I মা -া মগা | পক্ষা ধা পা | মা গা -মা | রা সা -া I
নি ৎ ত• প্রে• মে র ধা মে • আ মা র্

I সা মা মগা | পা নাঃ -ধঃ | না -ধা -া | -পা -া -া } I
প র ম• প তি • হে • • • • •

I { পক্ষা ধা -পা | র্সা নর্সা -ধা | র্সা র্সাঃ -নঃ | র্রা র্সা -া I
ও• গো • স বা র্ ও গো • আ মা র্

I র্সা -র্সা ধা | র্সা র্সা -র্রা | র্সা -না র্সনা | র্সনা র্সধা -া } I
বি শ্ শ হ তে • চি ৎ তে• বি• হা• র্

I র্সা -র্গা র্গর্মা | র্রা র্রা র্সা | র্সা নর্সা -ধা | র্সা র্সা -া I
অ ন্ ত• বি ধা ন লী লা • তো মা র্

I র্রা র্সা নধা | র্সা না ধপা | ধপা -া -া | -মা -া -া II II
নূ ত ন• নূ ত ন• হে • • • • •

## ১৫

মিশ্র রামকেলী। দাদরা

যদি আমায় তুমি বাঁচাও, তবে
তোমার নিখিল ভুবন ধন্য হবে ॥
যদি আমার মনের মলিন কালী
ঘুচাও পুণ্যসলিল ঢালি
তোমার চন্দ্র সূর্য নূতন আলোয়
জাগবে জ্যোতির মহোৎসবে ॥
আজও ফোটে নি মোর শোভার কুঁড়ি,
তারি বিষাদ আছে জগৎ জুড়ি।
যদি নিশার তিমির গিয়ে টুটে
আমার হৃদয় জেগে উঠে,
তবে মুখর হবে সকল আকাশ
আনন্দময় গানের রবে ॥

১´ ০ ১´ ০
মা গা II মা মা -ণা | দণা দা -া I পা পা -দা | মা -পদা -মপা I
য দি আ মা য়্ তু মি ০ বাঁ চা ও ত ০০ ০

II
I মা -া -গা | -া না না I র্সা র্ঋা -র্গা | র্ঋা র্সা -া I
বে ০ ০ ০ তো মার্ নি খি ল্ ভু ব ন্

I র্ঋা -া র্সনা | র্সা -ণা -দা I ণা -দা -া | পা মা -গা II
ধ ন্ ন০ হ ০ ০ বে ০ ০ "য দি ০"

-া পা পা II { মা ণদা -া | না সা -া I র্ঋা র্ঋা -র্সা | র্ঋা -র্সা -না I
০ য দি আ মা০ র্ ম নে র্ ম লি ন্ কা ০ ০

I র্সা -া -া | -া -া -া I না সা -দা | না -া র্সা I
লী ০ ০ ০ ০ ০ ঘু চা ও পু ণ্ ণ্

I না নর্সা -ঋা | ঋা -া -র্সনা I র্সা -া -না | (-দা দা পা)} I -দা দা দা I
স লি• ল্ চা • •• লি • • • য দি • তো মার্

I জ্ঞা -া জ্ঞর্রা | জ্ঞা -া জ্ঞা I জ্ঞা জ্ঞা -জ্ঞর্মা | র্মা -া -জ্ঞা I
চ ন্ দ্র• সূ র্ য ন্ ত •ন্ আ • • •

I র্মজ্ঞা -া -া | -ঋা -র্সা -া I র্সা -া জ্ঞা | ঋা র্সা -া I
লো • • • • র্ জা গ্ বে জ্যো তি র্

I ঋা র্সর্ঋর্সা -া | ণা -া -দা I ণা -দা -া | পা মা -গা II
ম হো• ৎ স • • বে • • "য দি •"

-া সা সা II {সা সা -মা | মা মা -া I মা মা -পা | গা -মা -মপা I
• আ জো ফো টে • নি যো র্ শো ভা র্ কুঁ • ••

I মপা -া -া | -া পা দা I র্সা র্সা -া | ঋা র্সর্ঋর্সাঃ -ণঃ I
ড়ি • • • তা রি বি ষা দ্ আ ছে• •

I র্সা ণর্সা -ণা | দণা -া -দা I পা -া -া | (-া সা সা)} I -া পা পা I
জ গ ৎ জু • • ড়ি • • • আ জো • য দি

I {মা ণদা -া | না র্সা -া I ঋা ঋা -র্সা | ঋা -র্সা -না I
নি শা• র্ তি মি র্ গি য়ে • টু • •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সনা র্সদা -া | না র্সা -া I
টে • • • • • আ• মা• র্ হৃ দ য়্

I না নর্সা -ঋা | ঋা -া -র্সনা I র্সা -া -না | (-দা দা পা)} I -দা দা দা I
জে গে• • উ • •• ঠে • • • য দি • ত বে

I র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্রা র্জ্ঞা -া I র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্জ্ঞর্মা | র্মা -া -র্জ্ঞা I
মু খ র্ হ০ বে ০ স ক ০ল্ আ ০ ০

I র্মর্জ্ঞা -া -া | -র্ঋা -র্সা -া I র্সণা র্সা -র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা -া I
কা ০ ০ ০ ০ শ্ আ০ ন ন্ দ ম য়্

I র্ঋা র্সর্ঋর্সা -া | ণা -া -দা I ণা -দা -া | পা মা -গা II II
গা নে০ র্ র ০ ০ বে ০ ০ "য দি ০"

## ১৬

**শ্যাম । ত্রিতাল**

রাখো রাখো রে জীবনে
জীবনবল্লভে,
প্রাণমনে ধরি রাখো
নিবিড় আনন্দবন্ধনে ॥
আলো জ্বালো হৃদয়দীপে
অতিনিভৃত অন্তরমাঝে,
আকুলিয়া দাও প্রাণ গন্ধচন্দনে ॥

৩
পা II { পক্ষা ধা -া পা I
রা খো • রা • খো

১´ ২ ॥
I মা -া -া -গা | মগা ধা পধা -পপা | (-া -গা -মপা পা) } | গা মা রা রা |
রে • • • জী• ব নে• •• • • •• রা জী ব ন ব

| -সন্া রা সা -া I র্সা -া ধ্া প্া | র্সা -া সা সা | সন্া -রা সা -া |
•ল্ ল ভে • প্রা • ণ ম নে • ধ রি রা• • খো •

| রা ন্া সা সা I রগা -মা মগা সসা | -রা রা সসা -রগা | -মপা -গা -পা পা II
নি বি ড় আ ন• ন্ দ ব• ন্ ধ নে• •• •• • • "রা"

-া -গা -মপা পা II { না -ধা না র্সা I
• • •• আ লো • জ্বা লো

র্সা র্সা র্সা নর্রা | -র্সর্সা র্সা র্সা না | ধা না র্সা র্রা | -া -া র্সা র্সা I
হৃ দ য় দী• •• পে অ তি নি ভৃ ত অ • ন্ ত র

I নর্রা -র্সর্সা -া -ধা | (-পা ক্ষাপা -ধনা -র্সা | -ধা -র্সা -া পা)} | পা -া পা না
মা• •• • • • ঝে• •• • • • • আ ঝে • আ কু

| ধা পক্ষা গা -মগা | ক্ষা পা র্মা -র্মা I র্রা র্সনা -র্রা র্সা | পপা -ধনা -র্সর্রা -র্সনা
লি য়া• দঃ •ও প্রা ণ গ ন্ ধ চ• ন্ দ নে• •• •• ••

| -ধপা -পগা -পা পা II II
•• •• • "রা"

## ১৭

### বেহাগ । ধামার

জাগে নাথ জোছনারাতে—
জাগো, রে অন্তর, জাগো ॥
তাঁহারি পানে চাহো মুগ্ধপ্রাণে
নিমেষহারা আঁখিপাতে ॥
নীরব চন্দ্রমা নীরব তারা
নীরব গীতরসে হল হারা—
জাগে বসুন্ধরা, অম্বর জাগে রে—
জাগে রে সুন্দর সাথে ॥

২ ০ ৩
II পা -ক্মা | -পা মা -া | গা -া -ারা গা I
জা ০ ০ গে ০ না ০ ০ থ

১´ ০ ২ ০ ৩
I গপা -া -াক্ম | পক্মা ধপা | -মা -া | -মপা গা -া | -া -ারা নৃরা -সসা I
জো ০ ০ ছ০ না ০ ০ ০০ রা ০ ০ ০ তে০ ০০

I -া -া -া | সন্‌া সা | গা -মা | মপা -া -া | -া -া নধা না I
০ ০ ০ জা গো রে ০ অ ০ ০ ০ ন্ ত০ র

I নর্সা -া -না | ধনা -পা II
জা ০ ০ গো ০

II { পা -া | না -া | র্সা -া -া | র্সাঃ -নঃ র্সর্রা -র্সর্সা I
তাঁ ০ হা ০ রি ০ ০ পা ০ নে০ ০০

I -া -া র্সা | -া র্সা | র্সা -নর্রা | র্সা না -া | -পা পনা -ধর্সা -না I
০ ০ চা ০ হো মু ০গ্ ধ প্রা ০ ০ ণে০ ০০ ০

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -া | -া | -া } \| | র্সা | র্সা \| | র্সা | র্সা \| | না | -া | -া \| | -পা | -া | পনা | না I | | | |
| | ০ | ০ | ০ | নি | মে | ষ | গু | রা | ০ | ০ | ০ | ০ | আঁ | খি | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| I | র্সর্সা | -া | -না \| | ধনা | -পা II | |
| | পা | ০ | ০ | তে | ০ | |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| II { | সা | -া \| | গা | মা \| | পা | -া | -া \| | পা | পা | -া | -া I | | |
| | নী | ০ | র | ব | চ | ০ | ন্ | দ্র | মা | ০ | ০ | | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -া | -া | -া \| | পা | -া \| | না | না \| | র্সা | -া | -া \| | না | -া | -পা | -া I |
| | ০ | ০ | ০ | না | ০ | য় | ন | তা | ০ | ০ | রা | ০ | ০ | ০ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -মা | -গা | -া \| | গা | -া \| | গা | গা \| | গা | -া | -া \| | -া | -া | গা | মগা I |
| | ০ | ০ | ০ | নী | ০ | র | ব | গী | ০ | ০ | ০ | ০ | ভ | র০ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | গপা | -া | -া \| | -মা | -গা \| | গপা | মা \| | গা | -া | -া \| | -া | -রসা | -ন্সা | -া I |
| | সে | ০ | ০ | ০ | ০ | হ | ল | হা | ০ | ০ | ০ | ০০ | ০রা | ০ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -া | -া | -া } \| | { পা | -া \| | না | না \| | র্সা | -া | -া \| | র্সা | -া | নর্রা | -র্সর্সা I |
| | ০ | ০ | ০ | জা | ০ | গে | র | সু | ০ | ন্ | দ | ০ | রা০ | ০০ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -া | -া | -া \| | পর্সা | -া \| | র্সর্রা | র্সা \| | [illegible] | -া | [illegible] \| | পর্সা | পনা | -ধর্সা | -না I |
| | ০ | ০ | ০ | অ | ম্ | ব০ | র | জা | ০ | ০ | গে০ | রে০ | ০০ | ০ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | -া | -া | -া } \| | র্সা | -া \| | র্সা | র্সা \| | না | -া | -া \| | -পা | -া | পনা | না I |
| | ০ | ০ | ০ | জা | ০ | গে | রে | সু | ০ | ০ | ০ | ন্ | দ | র |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | র্সর্সা | -া | -না \| | ধনা | -পা II II | | |
| | সা | ০ | ০ | থে | | | |

## ১৮

ললিত। আড়াঠেকা

প্রাণের প্রাণ জাগিছে তোমারি প্রাণে,
অলস রে, ওরে, জাগো জাগো ॥
শোনো রে চিত্তভবনে অনাদি শঙ্খ বাজিছে—
অলস রে, ওরে, জাগো জাগো ॥

৩
সা | -ঋা সন্‌া -ঋা মা I
প্রা • ণে• • র

১´ ২ ০ ৩
II মা -া -া -া | মা -গা -জ্ঞমা -জ্ঞমা | -জ্ঞমা -গা -া গা | -া -মা -দা -া I
প্রা • • • ণ • •• •• •• • • জা • • • •

I -ননা -দা -জ্ঞা মা | মগা -জ্ঞজ্ঞমা -গা -া | -ঋা -সা -া সা | -ন্‌া ঋা জ্ঞা -া I
•• • • গি ছে• ••• • • • • • তো • মা রি •

I মা -া -গা -া | -ঋা -া সা -া | -া -া -া সন্‌া | ঋা মা মা -া I
প্রা • • • • • ণে • • • • অ• ল স রে •

I -া -া -া মা | -গা -জ্ঞমা -জ্ঞমা -গা | -া মদা -নর্সা -া | -া -র্সদা -নর্সা র্সা I
• • • ও • •• •• • • রে• •• • • •• •• জা

I ঋর্া -না -দা -জ্ঞদা | -জ্ঞদা -না না -দা | -জ্ঞা মা -া জ্ঞমা | -গা ঋসা -ন্‌ঋা মা II
গো • • •• •• • জা • • গো • "প্রা• • ণে• •• র"

মা | দা না -র্সা -া I
শো নো রে • •

II র্ঋর্ঋা -র্সনা -র্সা র্সা | -া -া র্সা র্সা | র্সনা -র্ঋা র্গা র্ঋর্সা | -র্সা র্ঋা -না -দা I
চি • • • ত্ ত • • ভ ব নে • অ না • • দি • •

I মা -দা না -র্সা | র্ঋা -না -দদনা না | না -দা -ক্মা ক্মা | মা মা মা -া I
শ ঙ্ খ • বা • • • • জি ছে • • অ ল স রে •

I -া -া -া মা | -গা -ক্মমা -ক্মমা -গা | -া মদা -নর্সা -া | -া -র্সদা -নর্সা র্সা I
• • • ও • • • • • • • রে • • • • • • • • • জা

I র্ঋা -না -দা -ক্মদা | -ক্মদা -না না -দা | -ক্মা মা -া ক্মমা | -গা ঋসা -ন্ধা মা II II
গো • • • • • • • গো • • গো • "প্রা • • ণে • • • র"

১৯

দেশ। তেওরা

জাগ' জাগ' রে জাগ' সঙ্গীত— চিত্ত-অম্বর কর' তরঙ্গিত
নিবিড়নন্দিত প্রেমকম্পিত হৃদয়কুঞ্জবিতানে ॥
মুক্তবন্ধন সপ্তসুর তব করুক বিশ্ববিহার,
সূর্যশশিনক্ষত্রলোকে করুক হর্ষ প্রচার।
তানে তানে প্রাণে প্রাণে গাঁথ' নন্দনহার।
পূর্ণ কর' রে গগন-অঙ্গন তাঁর বন্দনগানে ॥

১´ ২ ৩ ১´ ২ ৩

II { রা -মা রা | মা -পা | না র্সা I নর্সা -র্রা র্সা | ণা -ধা | পা মগা } I

জা ০ গ জা ০ গ রে জা০ ০ গ স ঙ্ গী ত০

I মগা -া ণধা | পধাঃ -পঃ | মা গরা I রপা মপা মা | গাঃ -রঃ | সা সা I

চি ত্ ত০ অ ম্ ব র০ ক র ত র ঙ্ গি ত

I ণ্া ণ্া ণ্া | সা -া | সা সা I রাঃ -জ্ঞঃ রা | রপা -া | পধা পা I

নি বি ড় ন ন্ দি ত প্রে ০ ম ক ম্ পি ত

I মা গা রা | রপা -া | পধা পা I মা -া -গা | রা -জ্ঞা | -সা -া II

হৃ দ য় কু০ ন্ জ বি তা ০ ০ নে ০ ০ ০

II { রা -মা মা | পা -া | র্সা র্সা I র্রগা -র্মা র্মা | গর্মা র্গা | র্রা র্সা I

মু ক্ ত ব ন্ ধ ন স০ প্ ত সু র ত ব

I ণা ধা পা | পধপা -া | মা গা I রা -া -া | -া -া | -া -া } I

ক রু ক বি০ শ্ শ বি হা ০ ০ ০ ০ ০ র্

I { মগা -ধা পা | মা গা | রা -সা I রা -মা মা | পা -া | ধা -ণা I

সূ র্ য শ শি ন ক্ ষ ০ ত্র লো ০ কে ০

I ধণা ধা পা | পধপা -া | মা গা I রা -া -া | -া -া | -া -া } I
কঙ্ক ক হ• র্‌ ষ প্র চা • • • • • র্‌

I { ধনা -া না | না -া | ননা -র্সা I নর্সা -া র্সনা | র্রর্সা -র্সা | র্সাঃ -ণঃ I
তা • নে তা ◦ নে• • প্রা ◦ ণে ◦ প্রা• • ণে •

I ণা -ধা পা | পমা -পা | না না I র্সা -া -া | -া -া | -া -া } I
গাঁ • থ ন ন্‌ দ ন হা • • ◦ ◦ • র্‌

I { র্রা -র্জ্জা র্রা | র্সর্রা র্রা | র্রর্পা -া I র্গা র্মা র্গা | র্রা -র্জ্জনা | র্সা র্সা I
পূ র্‌ ণ ক র রে • গ গ ন অ ◦ ঙ্‌ গ ন

I পর্সা -া র্সা | র্সর্রর্সা -াণ | ণা ধা I পা -া -ধা | মা -গা | -রগা -সা } II II
তাঁ • র ব ◦ ন্‌ দ ন গা • ◦ নে ◦ • •

২০

**শঙ্করাভরণ। তালফেরতা**

বিশ্ববীণারবে বিশ্বজন মোহিছে।
স্থলে জলে নভতলে বনে উপবনে
নদীনদে গিরিগুহা-পারাবারে
নিত্য জাগে সরস সঙ্গীতমধুরিমা,
নিত্য নৃত্যরসভঙ্গিমা।—

নব বসন্তে নব আনন্দ, উৎসব নব।
অতি মঞ্জুল, অতি মঞ্জুল, শুনি মঞ্জুল গুঞ্জন কুঞ্জে—
শুনি রে শুনি মর্মর পল্লবপুঞ্জে,
পিককূজন পুষ্পবনে বিজনে,
মৃদু বায়ুহিলোলবিলোল বিভোল বিশাল সরোবর-মাঝে
কলগীত সুললিত বাজে।
শ্যামল কান্তার-'পরে অনিল সঞ্চারে ধীরে রে,
নদীতীরে শরবনে উঠে ধ্বনি সরসর মরমর।
কত দিকে কত বাণী, নব নব কত ভাষা, ঝরঝর রসধারা॥

আষাঢ়ে নব আনন্দ, উৎসব নব।
অতি গম্ভীর, অতি গম্ভীর নীল অম্বরে ডম্বরু বাজে,
যেন রে প্রলয়ঙ্করী শঙ্করী নাচে।
করে গর্জন নির্ঝরিণী সঘনে,
হেরো ক্ষুব্ধ ভয়াল বিশাল নিরাল পিয়ালতমালবিতানে
উঠে রব ভৈরবতানে।
পবন মল্লারগীত গাহিছে আঁধার রাতে,
উন্মাদিনী সৌদামিনী রঙ্গভরে নৃত্য করে অম্বরতলে।
দিকে দিকে কত বাণী, নব নব কত ভাষা, ঝরঝর রসধারা॥

আশ্বিনে নব আনন্দ, উৎসব নব।
অতি নির্মল, অতি নির্মল, অতি নির্মল উজ্জ্বল সাজে
ভুবনে নব শারদলক্ষ্মী বিরাজে।
নব ইন্দুলেখা অলকে ঝলকে,
অতি নির্মল হাসবিভাসবিকাশ আকাশনীলাম্বুজ-মাঝে
শ্বেত ভুজে শ্বেত বীণা বাজে—
উঠিছে আলাপ মৃদু মধুর বেহাগতানে,
চন্দ্রকরে উল্লসিত ফুল্লবনে ঝিল্লিরবে তন্দ্রা আনে রে।
দিকে দিকে কত বাণী, নব নব কত ভাষা, ঝরঝর রসধারা॥

## ঝাঁপতাল

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ১´ | | | ২ | | | | ০ | | | ৩ |
| II | সন্‌া | -া | \| | ন্‌া | ন্‌সন্‌া | -ধন্‌া | \| | নসা | -ন্‌া | \| | ধ্‌া | ধপ্‌া | -া | I |
| | বি | শ্‌ | | শ্ব | বী০০ | ০০ | | ণা | ০ | | র | বে | ০ | |
| I | প্‌সা | -া | \| | সা | সন্‌া | সা | \| | রগা | -মপা | \| | পমা | মগা | -া | I |
| | বি০ | শ্‌ | | শ্ব | জ | ন | | মো০ | ০০ | | হি | ছে | ০ | |
| I | -রগা | -মা | \| | -পা | -া | -গমা | \| | -রা | -া | \| | -সা | -া | -া | I |
| I | রা | গা | \| | মা | পা | -া | \| | পমা | গা | \| | রা | গা | -া | I |
| | স্থ | লে | | জ | লে | ০ | | ন | ভ | | ত | লে | ০ | |
| I | গা | মা | \| | পা | পমা | গা | \| | রা | গা | \| | মা | মগা | রা | I |
| | ব | নে | | উ | প | ব | | নে | ন | | দী | ন | দে | |
| I | সা | রা | \| | সা | রা | গা | \| | গরা | -া | \| | সন্‌া | -ধন্‌া | সা | I |
| | গি | রি | | গু | হা | পা | | রা | ০ | | বা০ | ০০ | রে | |

I পনা -া | না নর্সনা -ধনা | র্সা -া | মা পা পা I
নি• ৎ ত আ•• •• গে • স র স

I পমা -পা | পণা -ধণা পা | পমা গা | রা গা -া I
স ঙ্ গী• •• ত ম ধু রি মা •

I পরা -া | গা গপা -া | পমা গা | রা গা -া I
নি ৎ ত নূ• ৎ ত র স ত ত

I পমা গা | -রা -সা -ন্সা | -ধ্ন্া -সরা | -সন্া -ধ্ন্া -ন্ধ্প্া I
গি মা • • •• •• •• •• •• •••

I প্া প্া | না না -া | না -া | র্সা না র্সা I
ন ব ব স ন্ তে • ন ব আ

I পনা -া | পা -া -া | পধা -া | পা মা গা I
ন ন্ দ • • উ ৎ স ব ন

কাওয়ালি

১´ • ১´ •
I রগা -া -া -া | -া -া মা গা I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I
ব • • • • • অ তি ম •ন্ জু ল • • অ তি

I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I পরা -া গা পা | মা -া গা গরা I
ম •ন্ জু ল • • শু নি ম ন্ জু ল গু ন্ জ ন•

I রগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্া I সা -া -া -া | -া -া সা ন্া I
কু ন্ জে •• • • শু নি রে • • • • • শু নি

I সা -া রা গা | গা -া মা গা I রগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্া I
ম র্ ম র প ল্ ল ব পু ন্ জে ০ ০ ০ ০ পি ক

I সা -া না না | না -া নধা না I নর্সা -না নধা না | নর্সা -া র্সা না I
কূ ০ জ ন পু ষ্ প ব নে ০ বি জ নে ০ মৃ দু

I নর্সা -া র্সর্রা র্র্সা | র্সনা -া র্সা না I নধা -া ধনা নধা | ধপা -া পধা ধপা I
বা ০ য়ু ০ হি লো ০ ল বি লো ০ ল বি ভো ০ ল বি

I পমা -া মপা পনা | মগা -া গমা মগা I গরা -গরা গা -া | -া -া -া -া I
শা ০ ল স রো ০ ব র মা ০ ০ ঝে ০ ০ ০ ০ ০

I গরা গা মা পা | পমা গা গমা রা I রসা -রা গা -মগা | -রা সা সা সা I
ক ল গী ত স্ব ল লি ০ ত বা ০ জে ০ ০ ০ শ্যা ম ল

## ঝাঁপতাল

১ ২ ০ ৩
I না -া | না -া না | র্সা | ধনা পা পা I
কা ন্ তা ০ য় প রে অ নি ল

I না -া | না সনা | ধা না | র্সা -া -া I
স ন্ চা ০ রে ০ ধী ০ রে ০ ০

I র্সর্রা -া | র্রা র্সা না | র্সা -া | র্সা না ধা I
রে ০ ন দ তী রে ০ শ র ব

I ধনা -া | না নধা না | পধা -া | ধা ধপা মা I
নে ০ উ ঠে ধ্ব নি ০ স র স

I রপা -া | মা গা গরা | গা -া | -া -া -া I
র • ম র ম র • • • •

I সা রা | সা রা রগা | গরা -া | সন্‌া -ধন্‌া সা I
ক ত দি কে ক ত • বা• •• নী

I সা রা | গা মা পা | ধা না | র্সা -া -া I
ন ব ন ব ক ত তা যা • •

I নর্সা র্সনা | ধা পা পমা | গা রা | গা -া -া II
ঝ র ঝ র র স খা রা • •

II প্‌া -া | না -া -া | না -া | র্সা না র্সা I
আ • যা • • ঢে • ন ব আ

I ধনা -া | পা -া -া | পধা -া | পা মা গা I
ন ন্‌ দ • • উ ৎ স ব ন

## কাওয়ালি

১´ • ১´ •

I রগা -া -া -া | -া -া মা গা I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I
ব • • • • • অ তি গ •ম্‌ ভী র • • অ তি

I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I গরা -া গা পা | মা -া গা গরা I
গ •ম্‌ ভী র • • নী ল অ ম্‌ ব রে ড ম্‌ ব রু•

I রগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্‌া I সা -া -া -া | -া -া সা ন্‌া I
বা • জে •• • • যে ন রে • • • • • প্র ল

I সা -া রা গা | গা -া মা গা I গগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্‌া I
য় ঙ্ ক রী শ ঙ্ ক রী না ০ চে ০০ ০ ০ ক রে

I সা -া না না | না -া নধা না I নর্সা -না নধা না | নর্সা -া র্সা না I
গ র্ জ ন নি র্ ঝ রি ণী ০ স ঘ নে ০ হে র

I নর্সা -া সর্রা র্সা | র্সনা -া নর্সা না I নধা -া ধনা নধা | ধপা -া পধা ধপা I
ক্ষু ব্ ধ০ ভ য়া ০ ল বি শা ০ ল নি রা ০ ল পি

I পমা -া মপা পমা | মগা -া গমা মগা I গরা -গরা গা -া | -া -া -া -া I
য়া ০ ল ত মা ০ ল বি তা ০০ নে ০ ০ ০ ০ ০

I গরা গা মা পা | পমা -গা গমা রা I গসা -রা গা -মগা | -রা সা সা সা I
উ চ্ছ র ব ভে ই র০ ব গা ০ নে ০০ ০ প ব ন

ঝাঁপতাল

১ ২ ০ ৩
I না -া | না -া না | র্সা না | ধনা পা পা I
ম ন্ লা ০ র গী ত গা হি ছে

I না -া | না -া র্সনা | ধা -না | র্সা -া -া I
আঁ ০ ধা ০ র০ রা ০ তে ০ ০

I নর্সা -া | র্রা র্গা না | র্সা -া | র্সা না ধা I
উ ন্ মা দি নী সৌ ০ দা মি নী

I ধনা -া | না নধা পা | পধা -া | ধা ধপা মা I
র ঙ্ গ ভ রে নৃ ত্ য ক রে

I ঋপা -া | মা গা গরা | গা -া | -া -া -া I
অ ম্ ব র ত লে • • • •

I সা রা | সা রা ঋগা | গরা -া | সন্‌া -ধন্‌া সা I
দি কে দি কে ক ত • বা • •• নী

I সা রা | গা মা পা | ধা না | র্সা -া -া I
ন ব ন ব ক ত ভা ষা • •

I নর্সা র্সনা | ধা পা পমা | গা রা | গা -া -া II
ঝ র ঝ র র স ধা রা • •

II প্‌া -া | না -া -া | না -া | র্সা না র্সা I
আ • খি • • নে • ন ব আ

I ধনা -া | পা -া -া | পধা -া | পা মা গা I
ন ন্ দ • • উ ৎ স ব ন

কাওয়ালি

১´ ০ ১´ ০
I ঋগা -া -া -া | -া -া মা গা I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I
ব • • • • • অ তি নি •র্ ম ল • • অ তি

I রা -গরা গা গা | -া -া মা গা I গরা -া গা পা | মা -া গা গরা I
নি •র্ ম ল • • অ তি নি র্ ম ল উ জ্ জ ল•

I ঋগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্‌া I সা -া -া -া | -া -া সা ন্‌া I
সা • জে •• • • ভু ব নে • • • • • ন ব

I সা -া -রা গা | গা -া মা গা I রগা -া রা -গরা | -সা -া সা ন্া I
শা • র দ ল • ক্ষ্মী বি রা • জে •• • • ন ব

I সা -া না না | না -া নধা না I নর্সা -না নধা না | নর্সা -া র্সা না I
ই ন্ দু লে খা • অ ল কে • ঝ ল কে • অ তি

I নর্সা -া র্সর্রা র্রর্সা | র্সনা -া নর্সা না I নধা -া ধনা নধা | ধপা -া পধা ধপা I
নি র্ ম• ল হা • স বি ভা • স বি কা • শ আ

I পমা -া মপা পমা | মগা -া গমা মগা I গরা -গরা গা -া | -া -া -া -া I
কা • শ নী লা ম্ বু জ মা •• ঝে • • • • •

I গরা গা মা পা | পমা গা গমা রা I রসা -রা গা -মগা | -রা সা সা সা I
শ্বে ত ভু জে শ্বে ত বী• ণা বা • জে •• •• উ ঠি ছে

ঝাঁপতাল

১ ২ ০ ৩
I না -া | না -া না | র্সা না | ধনা পা পা I
আ • লা • প মৃ দু ম ধু র

I না -া | না -া র্সনা | ধা -না | র্সা -া -া I
বে • হা • গ• তা • নে • •

I র্সর্রা -া | র্রা র্সা না | র্সা -া | র্সা না ধা I
চ ন্ দ্র ক রে উ ল্ ল সি ত

I ধনা -া | না নধা পা | পধা -া | ধা ধপা মা I
ফু ল্ ল ব নে ঝি ল্ লি র বে

I ঋপা -া | মা গা গঋা | গা -া | -া -া -া I
ত ন্ ত্রা আ নে রে • • • •

I সা ঋা | সা ঋা ঋগা | গঋা -া | সন্‌া -ধ্‌ন্‌া সা I
দি কে দি কে ক ত • বা• •• নী

I সা ঋা | গা মা পা | ধা না র্সা -া -া I
ন ব ন ব ক ত ভা ষা • •

I নর্সা র্সনা | ধা পা পমা | গা ঋা | গা -া -া II II
ঝ র ঝ র র স ধা রা • •

## ২১

**হাম্বীর । একতাল**

জাগো নির্মল নেত্রে রাত্রির পরপারে,
জাগো অন্তরক্ষেত্রে মুক্তির অধিকারে ॥
জাগো ভক্তির তীর্থে পূজাপুষ্পের ঘ্রাণে,
জাগো উন্মুখচিত্তে, জাগো অম্লানপ্রাণে,
জাগো নন্দননৃত্যে সুধাসিন্ধুর ধারে,
জাগো স্বার্থের প্রান্তে প্রেমমন্দিরদ্বারে ॥
জাগো উজ্জ্বল পুণ্যে, জাগো নিশ্চল আশে,
জাগো নিঃসীম শূন্যে পূর্ণের বাহুপাশে।
জাগো নির্ভয়ধামে, জাগো সংগ্রামসাজে,
জাগো ব্রহ্মের নামে, জাগো কল্যাণকাজে,
জাগো দুর্গমযাত্রী দুঃখের অভিসারে,
জাগো স্বার্থের প্রান্তে প্রেমমন্দিরদ্বারে ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ১´ | | | | | ২ | | | | | ৩ | | | ॥ | |
| II | র্সা | র্সা | না | -ধা | \| | পা | জ্ঞা | গা | -জ্ঞা | \| | ধা | -া | -া | -া | I |
| | জা | গো | নি | র্ | | ম | ল | নে | • | | ত্রে | • | • | • | |
| I | ধা | -না | র্সা | র্রা | \| | র্সা | র্সা | নর্সাঃ | -নঃ | \| | নর্সাঃ | -র্সঃ | -ধাঃ | -ণঃ | I |
| | রা | • | ত্রি | র | | প | র | পা | • | | রে | • | • | • | |
| I | ধা | ধণা | ধাঃ | -ণঃ | \| | পা | পজ্ঞা | পা | -জ্ঞা | \| | ধপা | -া | -মা | -া | I |
| | জা | গো• | অ | ন্ | | ত | র• | ক্ষে | • | | ত্রে | • | • | • | |
| I | মা | -া | মা | মা | \| | ধা | পা | মা | -া | \| | ঋা | -া | -সা | -া | II |
| | মু | ক্ | তি | র | | অ | ধি | কা | • | | রে | • | • | • | |
| II { | পা | পা | র্সা | -ধা | \| | র্সা | র্সা | র্সাঃ | -নঃ | \| | র্রর্সা | -া | -া | -া | I |
| | জা | গো | ভ | ক্ | | তি | র | তী | র্ | | থে | • | • | • | |

I ণর্সা ধা র্সাঃ -নঃ | র্সনা র্রা র্সা -া | ণর্সা -া -ধা -না I
পূ জা পু ষ্ পে০ র ঘ্রা ০ ণে ০ ০ ০

I র্সা র্সর্গা র্গা -র্গর্মা | র্রা র্সা র্সা -া | ণর্সা -া -ধাঃ -ণঃ I
জা গো০ উ ০ন্ মু খ চি ত্ তে ০ ০ ০

I ধা ধণা পা -জ্ঞা | পধা পা মা -া | মা -া -া -া } I
জা গো০ অ ম্ লা ন প্রা ০ ণে ০ ০ ০

I মা মা মা -া | মা মগা পা -জ্ঞা | ধপা -া -মা -া I
জা গো ন ন্ দ ন০ নৃ ৎ তে ০ ০ ০

I মা মা গা -া | গা গমা রা -া | সা -া -া -া I
সু ধা সি ন্ ধু র০ ধা ০ রে ০ ০ ০

I সমা মা মা -া | মা মগা পা -জ্ঞা | পা -া -া -া I
জা গো স্বা র্ থে র০ প্রা ন্ তে ০ ০ ০

I ধা না র্সনা -র্রা | র্সা না ধা -না | ধা -না -র্সা -র্রা II
প্রে ম ম০ ন্ দি র দ্বা ০ রে ০ ০ ০

II { সা সা সা -মা | মা মা মা -া | মা -া -া -া I
জা গো উ জ্ জ্ব ল পু ণ্ ণে ০ ০ ০

I মা মা গা -পা | পা পা পা -জ্ঞা | পা -া -া -া I
জা গো নি শ্ চ ল আ ০ শে ০ ০ ০

I পজ্ঞা পা ধাঃ -র্সঃ | ধা পা পজ্ঞা -ধপা | মা -া -া -া I
জা০ গো নিঃ ০ সী ম শূ০ ০ন্ নে ০ ০ ০

I মা -া মা মা | ধা পা মা -া | রা -া -সা -া } I
পূ র্ ণে র বা হু পা • শে • • •

I পা পা র্সা -ধা | র্সা র্সা সা -না | র্সা -া -া -া I
জা গো নি র্ ভ য় ধা • মে • • •

I নর্সা ধা র্সা -না | র্সা র্রা র্সাঃ -নঃ | নর্সা -া -ধা -না I
জা গো স ঙ্ গ্রা ম সা • জে • • •

I র্সা র্সর্গা র্গা -র্গর্মা | র্রা র্সা র্সা -না | নর্সা -া -ধাঃ -পঃ I
জা গো• র •• ক্ষে র না • মে • • •

I ধা ধণা পা -ক্ষা | ধা পা মা -া | মা -া -া -া I
জা গো• ক ল্ লা ণ কা • জে • • •

I মা মা মা -া | মা মগা পা -ক্ষা | ধপা -া -মা -া I
জা গো দু র্ গ ম• যা • ত্রী • • •

I মা -া গা গা | মা গমা রা -া | সা -া -া -া I
দু ক্ খে র অ ভি সা • রে • • •

I মা মা মা -া | মা মগা পা -ক্ষা | পা -া -া -া I
জা গো স্বা র্ থে র• প্রা ন্ তে • • •

I ধা না র্সনা -র্রা | র্সা না ধা -না | ধা -না -র্সা -র্রা II II
প্রে ম ম• ন্ দি র দ্বা • রে • • •

## ২২

### মিশ্র রামকেলী। ঝাঁপতাল

তিমিরদুয়ার খোলো— এসো, এসো নীরবচরণে।
জননী আমার, দাঁড়াও এই নবীন অরুণকিরণে॥
পুণ্যপরশপুলকে সব আলস যাক দূরে।
গগনে বাজুক বীণা জগত-জাগানো সুরে।
জননী, জীবন জুড়াও তব প্রসাদসুধাসমীরণে।
জননী আমার, দাঁড়াও মম জ্যোতির্বিভাসিত নয়নে॥

{ পা ণা দা দা | পা -া -মা গা I
তি মি র দু য়া • • র

১´ ২ ০ ৩
II মা -া পা -া | -া -া সা সা } | সা -ঋা গা -মা | মা -া মা মা I
খো • লো • • • এ সো এ • সো • নী • র ব

I গা গা মা -া | -গা -মা -পা -দা | পা ণা দণা দা | পদপা -া -মা গা II
চ র ণে • • • • • "তি মি র দু য়া• • • র"

-া -া II দা না র্সা র্সা | ধা -া -া র্সা I
• • জ ন নী আ মা • • র

I না -া র্সা -া | -া -া দা -া | দা না র্সা ঋর্সা | নর্সা -না দা -া I
দাঁ • ড়া • • ও এ ই ন বী ন অ• রু • ণ •

I না -া দা -া | না -া -র্সা -ঋা | র্সা নর্সনা না দা | পা -া -মা গা II
কি • র • ণে • • • "তি মি• র দু য়া • • র"

-া -া II { দা -া দা -া | না না র্সা -ঋা I
• • পু ণ্ ণ • প র শ •

I না না র্সা -া | -া -া জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা জ্ঞা | র্মজ্ঞা -া -া ঋর্সা I
পু ল কে • • • স ব আ • ল স যা• • • ক•



স্ব ৩৬।৮

I র্ঋা -া র্সা -া | ( -া -া -া -দা ) } | -দা -া -র্জ্ঞা -া | { র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্মর্জ্ঞা -া র্ঋা র্সা I

দূ • রে • • • • • • • • • গ গ নে • বা • জু ক

I র্ঋা -া র্সা -া | -া -া -া -র্ঋা | র্সা ণা দা মা | দা -া ণা -র্সা I

বী • ণা • • • • • জ গ ত জা গা • নো •

I র্জর্জ্ঞা -র্ঋর্সা -র্ঋা -ণা | ( র্সা -া -র্জ্ঞা -া ) } | র্সা -া -া -া | { র্ঋা র্সা ণা -া | র্সা -ণা দা দা I

সু • •• • • রে • • • রে • • • জ ন নী • জী • ব ন

I দণা -দা পা -া | -া -া দা পদপা | মা পা -জ্ঞা মা | পা ণা -দা পা I

জু • ড়া • • ও ভ ব• প্র সা • দ সু ধা • স

I মজ্ঞা -া -ঋা ঋা | সা -া -া -া } | সা র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্রা | র্জ্ঞা -া -া র্রা I

মী • • র পে • • • জ ন নী আ মা • • র

I র্জ্ঞা -র্রা র্মর্জ্ঞা -া | -া -া র্ঋা র্সা | র্সা -র্ঋর্জ্ঞা র্ঋা র্সা | ণা -া দা মা I

দাঁ • ড়া • • • ও ম ম জ্যো •• তি বি ভা • সি ত

I দা -া ণা -র্সা | দা -ণা -র্সা -র্জ্ঞা | র্রর্জ্ঞা র্রর্জর্ঋা র্মর্ঋর্সা র্ঋর্সণা | ণা -দা -পা গা II II

ন • য় • নে • • • "তি মি• র• দু• য়া • • র"

## ২৩

### পিলু বারোয়াঁ । ঝাঁপতাল

পুষ্প ফুটে কোন্ কুঞ্জবনে,
কোন্ নিভৃতে ওরে, কোন্ গহনে।
মাতিল আকুল দক্ষিণবায়ু
সৌরভচঞ্চল সঞ্চরণে॥
বন্ধুহারা মম অন্ধ ঘরে
আছি বসে অবসন্নমনে,
উৎসবরাজ কোথায় বিরাজে,
কে লয়ে যাবে সে ভবনে॥

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ১´ | | | ২ | | | | ০ | | | ৩ | | | |
| II { | র্সা | -র্রা | \| | র্সা | -র্সা | ধা | \| | র্সণাঃ | -ধঃ | \| | পা | -া | -া | I |
| | পু | ষ্ | | প | • | ফু | | টে | • | | কো | • | ন্ | |
| I | সা | -গা | \| | গা | -া | গা | \| | মা | -া | \| | -া | -া | -া | I |
| | কু | ন্ | | ঞ্জ | • | ব | | নে | • | | • | • | • | |
| I | মা | -পা | \| | মপমা | -া | রা | \| | মজ্ঞা | -া | \| | জ্ঞা | -রা | সা | I |
| | কো | ন্ | | নি॰ | • | ভৃ | | তে | • | | ও | • | রে | |
| I | সরা | -া | \| | সা | -রা | ন্া | \| | সা | -া | \| | -া | -া | -া } | I |
| | কো | ন্ | | গ | • | হ | | নে | • | | • | • | • | |
| I { | জ্ঞা | -া | \| | জ্ঞা | -া | র্রা | \| | জ্ঞর্মা | -জ্ঞা | \| | জ্ঞা | -র্রা | র্সা | I |
| | মা | • | | তি | • | ল | | আ॰ | • | | কু | • | ল | |
| I | ঋা | -া | \| | র্সা | -া | ঋর্সা | \| | না | -া | \| | র্সা | -া | -া | I |
| | দ | ক্ | | খি | • | ণ॰ | | বা | • | | য়ু | • | • | |

I (র্মা -া | র্মা -র্জ্ঞা র্রা | র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞা -র্রা র্সা I
সৌ • র • ভ চ ন্ চ • ল

I র্ঋা -া | র্সা -র্ঋর্সা না | র্সা -া | -া -নর্সা -র্রর্জ্ঞা ) } I
স ন্ চ •• র ণে • • •• ••

I র্ঋা -র্সা | ণা -া পা | মা -া | জ্ঞা -রা ন্া I
সৌ • র • ভ চ ন্ চ • ল

I সা -া | গা -া গা | মা -া | -া -া -া I
স ন্ চ • র ণে • • • •

I মা -পা | পমা -া রা | মজ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা I
কো ন্ নি • ভৃ তে • ও • রে

I সরা -া | সা -রা না | সা -া | -া -া -া II
কো ন্ গ • হ নে • • • •

II { মা -পা | মা -া রা | জ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা I
ব ন্ ধু • হা রা • ম • ম

I রা -া | সা -র ন্া সা -া | -ন্সা -রজ্ঞা -া I
অ ন্ ধ • ঘ রে • •• •• •

I জ্ঞা -া | জ্ঞা -া রা মজ্ঞা -জ্ঞা | জ্ঞা -রা সা I
আ • ছি • ব সে• • অ • ব

I ঋা -া | সা -ঋসা ন্া | সা -া | -া -া -া } I
স ন্ ন •• ম নে • • • •

I { র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞা -া র্রা | মজ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা I
উ ৎ | স • ব | রা • | জ • কো

I র্ঋা -া | র্সা -া র্ঋর্সা | না -া | র্সা -া -া I
থা • | য় • বি • | রা • | জে • •

I ( র্মা -া | র্মা -া র্রা | র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞা -র্রা -র্সা I
কে • | ল • য়ে | যা • | বে • •

I র্ঋা -া | র্সা -র্ঋর্সা না | র্সা -া | -া -নর্সা -র্রর্জ্ঞা ) } I
সে • | ভ • • ব | নে • | • • • • •

I র্ঋা -র্সা | ণা -া পা | মা -া | জ্ঞা -রা -ন্া I
কে • | ল • য়ে | যা • | বে • •

I সা -া | গা -া গা | মা -া | -া -া -া I
সে • | ভ • ব | নে • | • • •

I মা -পা | পমা -া রা | মজ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা I
কো ন্ | নি • ভৃ | তে • | ও • রে

I সরা -া | সা -রা ন্া | সা -া | -া -া -া II II
কো ন্ | গ • হ | নে • | • • •

বেহাগ। কাওয়ালি

বিরহ মধুর হল আজি মধুরাতে।
গভীর রাগিণী উঠে বাজি বেদনাতে॥
ভরি দিয়া পূর্ণিমানিশা অধীর অদর্শনতৃষা
কী করুণ মরীচিকা আনে আঁখিপাতে॥
সুদূরের সুগন্ধধারা বায়ুভরে
পরানে আমার পথহারা ঘুরে মরে।
কার বাণী কোন্ সুরে তালে মর্মরে পল্লবজালে,
বাজে মম মঞ্জীররাজি সাথে সাথে॥

II { রা গা গা গা | গা গা গা মা I রগা -রা পা -া | -গা -মা গপা মা I
বি র হ ম ধু র হ ল আ • জি • • • ম ধু

I গাঃ -রঃ সা -া | -া -া -া -া } I সা সা -ন্‌া ধ্‌া | ন্‌া প্‌া সন্‌া সা I
রা • তে • • • • • গ ভী র্ রা গি ণী উ• ঠে

I সমা -া গা -া | -া -া পক্ষা পা I পণাঃ -মঃ মা -া | -া -পা -গা -সা II
বা • জি • • • বে• দ না • তে• • • • • •

II { পা পা না না | না -া না না I ধনা -া র্সা -া | -া -া -া -া I
ভ রি দি য়া পূ র্ ণি মা নি • শা • • • • •

I পর্সা র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সর্রা র্সা I না -পা না -া | -া -া -া -া } I
অ ধী র অ দ র্ শ• ন তৃ • ষা • • • • •

I র্সা র্গা র্রা র্সা | র্সা না না পা I পা -ক্ষা ধপা -া | -া -া মা গা I
কী ক রু ণ ম রী চি কা আ • নে• • • • আঁ খি

I রগা -া মা -া | -া -পা -গা -সা II
পা • ভে • • • • •

II { সা পা পা পা | পা পা -া পা I পা -া পা -া | -া -া মা গা I
সু দূ রে র সু গ ন্ ধ ধা • রা • • • বা য়ু

I গগা -মা গা -া | -া -া -া -া I গা গা গা মা | পা পা না না I
ভ• • রে • • • • • প রা নে আ মা র প থ

I নর্সাঃ -নঃ ধপা -ক্ষা | -পা -গা মা গা I গগা -মা গা -া | -া -া -া -া } I
হা • রা• • • • ঘু রে ম• • রে • • • • •

I { পা -া না না | না -া না না I ধনা -া র্সা -া | -া -া -া -া I
কা র্ বা ণী কো ন্ সু রে তা • লে • • • • •

I পর্সা -া র্সা র্সা | নর্সা -া সর্রা র্সা I না -পা না -া | -া -া -া -া } I
ম র্ ম রে প ল্ ল• ব জা • লে • • • • •

I র্সা র্গা র্রা র্সা | র্সা -না না পা I পা -ক্ষা ধপা -া | -া -া মা গা I
বা জে ম ম ম ন্ জী র রা • জি• • • • সা থে

I রগা -া মা -া | -া -পা -গা -সা II II
সা • থে • • • • •

## ২৫

মিশ্রমল্লার । রূপকড়া

উতল ধারায় বাদল ঝরে, বেলা যে যায় একা ঘরে ॥
সজল-হাওয়া বহে বেগে, পাগল নদী উঠে জেগে,
আকাশ ঘেরে কাজল মেঘে, তমালবনে আঁধার করে ॥
ওগো বঁধু, দিনের শেষে এলে তুমি কেমন বেশে—
আঁচল দিয়ে শুকাব জল, মুছাব পা আকুল কেশে।
নিবিড় হবে তিমির-রাতি, জ্বেলে দেব প্রেমের বাতি,
পরানখানি দেব পাতি— চরণ রেখো তাহার ’পরে ॥

১´ ২ ৩ ১´ ২ ৩
II সা রা -মা | মা -া | মা -া -গা I রা রা -পা | পাঃ -মঃ | পা -া -রা I
উ ত ল্ ধা • রা • য়্ বা দ ল্ ঝ • রে • •

I রা রা -মা | পা -ধা | র্ণা -া -ধা I পধা পা -ধপা | মা -গা | রা -া -গসা II
বে লা • যে • যা • য়্ এ কা • • ঘ • রে • • •

II { না না -া | না -া | না -া -পা I পা না -া | র্সা -না | র্সর্সা -া -ণা I
স জ ল্ হা ও য়া • • ব হে • বে • গে • •

I ধা ধা -ণা | ণা -ধা | পধা -া -া I ধা ধণা র্সা | ণা -ধা | পা -া -া } I
পা গ ল্ ন • দী • • উ ঠে• • জে • গে • •

I মা মা -ণা | ণা -া | ধা -া -া I ধা ধণা -র্সা | ণর্সণাঃ -ধঃ | পা -া -া I
আ কা শ্ ঘে • রে • • কা জ• ল্ মে• • ঘে • •

I পর্সা নর্সা -া | ণা -ধা | পা -া -রা I সা রা -া | রা -া | রা -া -গসা II
ত মা ল্ ব • নে • • আঁ ধা র্ ক • রে • • •

II { সা রা -া | রা -া | রা -া -গা I রা রা -পা | মা -গা | রা -া -সা I
ও গো • ব • ধু • • দি নে র্ শে • ষে • •

I সা রা -মা | পা -ধা | ণা -া -ধা I পধা পা -ধপা | মা -গা | রা -া -া I
এ লে • তু • মি • • কে ম •ন্ বে • শে • •

I মা মা -পা | পা -া | পা -া -ধা I মা পা -না | না -া | র্সা -া -া I
আঁ চ ল্ দি • য়ে • • শু কা • ব • জ • ল্

I র্সা র্সর্সা -র্রা | র্সণাঃ -ধঃ | পধপা -া রা I রপা পা -া | মা -গা | রা -া -া } I
মু ছা• • ব • পা • • • আ কু ল্ কে • শে • •

I { না না -া | না -া | না -া -পা I পা না -া | র্সা -না | র্রর্সা -া -ণা I
নি বি ড়্ হ • বে • • তি মি র্ •রা • তি • •

I ধা ধা -ণা | ণা -ধা | পধা -া -া I ধা ধণা -র্সা | ণা -ধা | পা -া -া } I
জে লে • দে • ব • • প্রে মে• র্ বা • তি • •

I মা মা -ণা | ণা -া | ধা -া -া I ধা ধণা -র্সা | গর্সণাঃ -ধঃ | পা -া -া I
প রা ন্ খা • নি • • দি ব• • পা • • তি • •

I পর্সা নর্সা -া | ণা -ধা | পা -া -রা I সা রা -া | রা -া | রা -া -গসা II II
চ র ণ্ রে • খো • • তা হা র্ প • রে • • •

## মিশ্র সিন্ধু । ত্রিতাল

আজ   নাহি নাহি নিদ্রা আঁখিপাতে।
তোমার ভবনতলে হেরি প্রদীপ জ্বলে,
দূরে বাহিরে তিমিরে আমি জাগি জোড়হাতে ॥
ক্রন্দন ধ্বনিছে পথহারা পবনে,
রজনী মূর্ছাগত বিদ্যুতঘাতে।
দ্বার খোলো হে দ্বার খোলো—
প্রভু,   করো দয়া, দেহো দেখা দুখরাতে ॥

০ ৩
মগা -মা II পধা -ণা ধা পা | মা জ্ঞা -রা সা I
আ জ্ না০ ০ হি না হি নি ০ দ্রা

১´ ২ ॥
I রা মা পর্সা -র্সণা | -ধা পা মগা -মা II
আঁ খি পা০ ০০ ০ তে "আ জ্"

-া -া II { পা পা পা পধপা | মা পা না না I
০ ০ তো মা র ভ০০ ব ন ত লে

I র্সা র্সা র্জ্জর্রা র্সনা | না না র্সা -া } | ণা ধা ণা র্জ্জা | র্রা জ্ঞা র্সা র্রা I
হে রি প্র০ দী০. প জ্ব লে ০ দূ রে বা হি রে তি মি রে

I না র্সা ণা ধা | ধা ধা ধা ধণর্সর্রা | র্সা ণা -ধা পা | মা জ্ঞা -রা সা I
আ মি জা গি জো ড় হা তে০০০ না হি ০ না হি নি ০ দ্রা

I রা মা পর্সা -র্সণা | -ধা পা মগা -মা II
আঁ খি পা০ ০০ ০ তে "আ জ্"

-া -া I { পা -া পা পধা | মা পা না -া I
• • ক্র ন্ দ ন• ধ্ব নি ছে •

I র্সা র্সা র্সর্র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্সা না র্সা -া | র্সা র্সর্রা র্রা র্সা | -ণা ণা ধা পা I
প থ হা•• রা• প ব নে • র জ• নী মু র্ ছা গ ত

I মা -জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞমা | রা -া সা -া } | { দা -া -া দা | পণা -দা পা -া I
বি দ্ ছু ত• ঘা • তে • ঘা • র্ খো লো• • হে •

I মাঃ -মঃ -পা মা | পা -া -া -া } | পা পা পা র্জ্ঞা | র্রা র্জ্ঞা র্সা র্রা I
ঘা • র্ খো লো • • • প্র ভু ক রো দ য়া দে হো

I না র্সা ণা ধা | পধা -া ধণা -র্সর্রা | র্সা ণা -ধা পা | মা জ্ঞা -রা সা I
দে খা দু খ রা • তে• •• না হি • না হি নি • দ্রা

I রা মা পর্সা -র্সণা | -ধা পা পণা -মা II II
আঁ খি পা• •• • তে "আ জ্"

মিশ্র বাহার। ত্রিতাল

আজি কমলমুকুলদল খুলিল, দুলিল রে দুলিল—
মানসসরসে রসপুলকে পলকে পলকে ঢেউ তুলিল ॥
গগন মগন হল গন্ধে, সমীরণ মূর্ছে আনন্দে,
গুন্‌গুন্‌ গুঞ্জনছন্দে মধুকর ঘিরি ঘিরি বন্দে—
নিখিলভুবনমন ভুলিল—
মন ভুলিল রে মন ভুলিল ॥

॰ ৩
না র্সা II { ণা ধণা পা মা | পা পা মজ্ঞা মা I
আ জি ক ম ল মু কু ল দ॰ ল

১´ ২ ২ ॥ ॰ ৩ ॰
I ণদা -ণা -ণর্সা ণা | ( র্সা -দা না র্সা ) } | র্সা -া -ণা -দা | র্সনা -া -র্সা না | র্সা -া র্রা -র্সনা I
খু॰ ॰ ॰॰ লি ল ॰আ জি ল ॰ ॰ ॰ দু ॰ ॰ লি ল ॰ রে ॰॰

I না -র্সাঃ -র্রঃ নর্সা | ণদা -ণদা -র্সা -া | ণা ধণা পা মা | পা মজ্ঞা মা মা I
দু ॰ ॰ লি ল॰ ॰॰ ॰ ॰ মা ন স স র সে॰ র স

I রা রা সা -া | -া -া -া -া | মা মা মা মা | পা পা মজ্ঞা -মা I
পু ল কে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰, প ল কে প ল কে ঢে॰ উ

I ণদা -ণা -ণা ণা | র্সা -ণদা না র্সা II
তু॰ ॰ ॰ লি ল ॰॰ "আ জি"

[ না র্সা র্সা র্সা ]
II { ধা না না না | র্সা র্সা র্রা র্সা I
গ গ ন ম গ ন হ ল

I না -া র্সা -া | -া -া -া -া | না র্সা র্রা র্রা | র্রাঃ -র্জ্ঞঃ র্সা র্সা I
গ ন্ ধে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ স মী র ণ মূ র্ ছে আ

I নর্সা -র্রর্সা ণদা -া | ( -া -া -া -না ) } | -া -া -া -া | { পণা -া পমা -পা | মজ্ঞা -া মা পা I
ন • • ন্ দে• • • • • • • • • • • গু ন্ গু • ন্ গু • ন্ জ ন

I জ্ঞমা -া -রা -া | সা -া -া -া } | মা মা মা মা | মা পা মজ্ঞা মা I
ছ • • ন্ দে • • • ম ধু ক র ঝি রি ঝি রি

I মণদা -া -া -না | র্সা -া -া -া | র্সা র্গা র্গা র্গা | র্গা র্গা র্মা র্পা I
ব • • • ন্ দে • • • নি খি ল ভু ব ন ম ন

I র্মা র্পা র্মর্পর্মা -া | -া -র্গা র্গা র্গা | র্গা র্মা র্মা -া | র্গর্মর্গা -া র্রা র্সা I
ভু লি ল• • • • ম ন ভু লি ল • রে• • ম ন

I না -র্সা -া দা | নর্সা -া না র্সা II II
ভু • • লি ল • "আ জি"

২৮

## পিলু বারোয়াঁ। কাওয়ালি

কী সুর বাজে আমার প্রাণে  আমিই জানি, মনই জানে ॥
কিসের লাগি সদাই জাগি,  কাহার কাছে কী ধন মাগি—
তাকাই কেন পথের পানে ॥
দ্বারের পাশে প্রভাত আসে,  সন্ধ্যা নামে বনের বাসে।
সকাল-সাঁঝে বাঁশি বাজে,  বিকল করে সকল কাজে—
বাজায় কে যে কিসের তানে ॥

১´ • ১´ •
ন্‌া II সা -গা গা -া | গা -া -া সা I গা -া মা -া | গমা -পদা -া দপা I
কি সু র্‌ বা • জে • • আ মা র্‌ প্রা • ণে• •• • আ•

I মপা -া মা -রা | রমা -মজ্ঞা -রসা রা I জ্ঞজ্ঞা -পপমা জ্ঞা -রা | সা -া -ন্‌া ন্‌া II
মি ই জা • নি• •• •• ম ন• ••ই জা • নে • • "কি"

ন্‌া II {সা -া গা -মা | পা -া -া পা I পা -দা পদা -ণদা | পা -া -া পা I
কি সে র্‌ লা • গি • • স দা ই জা• •• গি • • কা

I দা পা মা -া | পপা -মগা -া গা I গা -া গগা -মা | মা -া -া (ন্‌া)} I গা I
হা র্‌ কা • ছে• •• • কি ধ ন্‌ মা• • গি • • কি তা

I গা -া গা -া | গা -া -সা সা I গা -া মা -া | গমা -পদা -া দপা I
কা ই কে • ন • • প থে র্‌ পা • নে• •• • আ•

I মপা -া মা -রা | রমা -মজ্ঞা -রসা রা I জ্ঞজ্ঞা -পপমা জ্ঞা -রা | সা -া -ন্‌া ন্‌া II
মি ই জা • নি• •• •• ম ন• ••ই জা • নে • • "কি"

ন্‌া II {সা -জ্ঞা জ্ঞা -রা | জ্ঞা -া -া জ্ঞা I জ্ঞা -া জ্ঞা -রা | মমা -জ্ঞজ্ঞা -া সা I
দ্বা রে র্‌ পা • শে • • প্র ভা ত্‌ আ • সে• •• • সন্‌

I ঋা -া ঋাঃ -জ্ঞঃ | সা -া -া দ্‌া I ণ্‌া -জ্ঞা ঋাঃ -জ্ঞঃ | সা -া -া (ন্‌া)} I ন্‌া I
ধ্যা • না • মে • • ব নে র্‌ বা • সে • • দ্বা স

I { সা -া গা -মা | পা -া -া দা I দা -া পদা -ণদা | পা -া -া দা I
কা ল্ সাঁ ∘ ঝে ∘ ∘ বাঁ শি ∘ বা ∘ ∘ ∘ জে ∘ ∘ বি

I দা -পা মা -া | মমা -পমা -গা গা I গা -া রগা -মপা | মা -া -া ( না ) } I গা I
ক ল্ ক ∘ রে∘ ∘ ∘ ∘ স ক ল্ কা∘ ∘ ∘ জে ∘ ∘ স বা

I গা -া গা -া | গা -া -া সা I গা -া মা -া | গমা -পদা -া দপা I
জা য়্ কে ∘ যে ∘ ∘ কি সে র্ তা ∘ নে∘ ∘ ∘ ∘ আ∘

I মপা -া মা -রা | মমা -জ্ঞরা -সা রা I জ্ঞজ্ঞা -পপমা জ্ঞা -রা | সা -া -না না II II
মি ই ওা ∘ নি∘ ∘ ∘ ∘ ম ন∘ ∘ ∘ ই জা ∘ নে ∘ ∘ "কি"

## ২৯

**ভৈরবী। দাদরা**

আমি চঞ্চল হে,   আমি   সুদূরের পিয়াসি
দিন চলে যায়, আমি আনমনে
তারি আশা চেয়ে থাকি বাতায়নে—
ওগো, প্রাণে মনে আমি যে তাহার
        পরশ পাবার প্রয়াসী ॥
ওগো   সুদূর, বিপুল সুদূর, তুমি যে
        বাজাও ব্যাকুল বাঁশরি—
মোর ডানা নাই,   আছি এক ঠাঁই,
        সে কথা যে যাই পাশরি ॥
আমি উন্মনা হে,   হে সুদূর আমি উদাসী।
রৌদ্র-মাখানো অলস-বেলায়
        তরুমর্মরে ছায়ার খেলায়
কী মুরতি তব নীল আকাশে
        নয়নে উঠে গো আভাসি।
হে সুদূর, আমি উদাসী।
ওগো   সুদূর, বিপুল সুদূর, তুমি যে
        বাজাও ব্যাকুল বাঁশরি—
কক্ষে আমার রুদ্ধ দুয়ার
        সে কথা যে যাই পাশরি ॥

১´ ∙ ১´ ∙
দা় ণা় II সা -া -া | সা -ঋা ণা় I সরা -জ্ঞা -া | -া ঋা সা I
আ মি চ ∙ ন্ চ ∙ ল হে∙ ∙ ∙ ∙ আ মি

I সা সা -ঋা | ঋমজ্ঞা -জ্ঞঋজ্ঞা ঋা I ঋসা ণা় -সণা় | ঋসা সা পা I
সু দূ ∙ রে ∙ ∙ ∙ র পি য়া ∙ ∙ সি আ মি

I পা -া -া | মপা -জ্ঞা পমপা I পণা -া -া | -দা দপা মা I
চ ∙ ন চ ∙ ল ∙ হে∙ ∙ ∙ ∙ আ মি

I জ্ঞা সা -ঋা | ঋমজ্ঞা -জ্ঞঋজ্ঞা ঋা I ঋসা ণ্া -সঋা | ঋসা সা র্ঋা I
সু দূ ০ রে০ ০০ র পি য়া ০০ সি আ মি

I র্সা -া -া | র্সর্ঋা -র্ঋর্সা ণপা I পণা -া -া | -দা পা মা I
চ ০ ন্ চ ০ ল০ হে০ ০ ০ ০ আ মি

I জ্ঞা জ্ঞসা -ঋা | ঋমজ্ঞা -জ্ঞঋজ্ঞা ঋা I ঋসা ণ্া -সঋা | ঋসা দ্া ণ্া II
সু দূ ০ রে০ ০০ র পি য়া ০০ সি "আ মি"

-া -া II জ্ঞা -া -মা | পা -া পা I পদা -া -া | -া -া -া I
০ ০ দি ০ ন্ চ ০ লে যা ০ ০ ০ ০ য়্

I দপ্া দ্া -া | ণ্া -া সা I সণ্া -জ্ঞঋা -সণ্া | সা -া -া I
আ মি ০ আ ০ ন ম ০ ০০ নে ০ ০

I সজ্ঞা জ্ঞা -া | জ্ঞা -া রা I মজ্ঞা -া -জ্ঞরা | মজ্ঞা -া -া I
তা০ রি ০ আ ০ শা চে ০ ০ য়ে ০ ০

I দ্া দ্া -া | ণ্া -া ণজ্ঞা I জ্ঞঋা -া -সণ্া | সা -া -া I
থা কি ০ বা ০ তা য় ০ ০০ নে ০ ০

I সা সা সা | দা পা পা I পা দা দপা | পমা মা -া I
ও গো প্রা ণে ম নে আ মি যে তা হা র্

I মা মপা পমা | জ্ঞরা মজ্ঞা -ঋা I সা সা -রা | জ্ঞা সা সা I
প র শ পা০ বা র্ প্র য়া ০ সী আ মি

I সা সা -ঋা | ঋমজ্ঞা -জ্ঞঋজ্ঞা ঋা I ঋসা ণ্া -সঋা | সা সা সা I
সু দূ ০ রে০ ০০ র পি য়া ০০ সি ও গো

I সা সা -দা | দা দা ণা I ণা ণা -র্সা | -া -া -া I
সু দূ র্ বি পু ল সু দূ ০ ০ ০ ০



স্ব ৩৬।১০

I -া -া -া | র্সণা দা পা I মা মণা -দা | দা দা ণা I
০ ০ র্ তু মি যে বা জা ও ব্যা কু ল

I র্সা -ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা | র্সা -া -া I র্সা -া র্সর্ঋা | র্ঋর্সা ণা -া I
বাঁ ০ ০ শ রি ০ ০ মো র্ ডা না না ই

I পদা পা পণা | পদা পা পপা I মপমা জ্ঞা জ্ঞরা | জ্ঞা রজ্ঞা -মা I
আ ছি এ ০ ক ঠাঁ ই সে০ ক থা ০ যে যা০ ই

I মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা | সা দ্া ণ্া II
.পা ০ ০ শ রি "আ মি"

জ্ঞা মা II পা -া -া | দা -া পপা I দা -া -া -া পা দা I
আ মি উ ০ ন্ ম ০ না হে ০ ০ ০ হে সু

I ণ্া -া -া | -া ণ্া সা I সণ্া ণ্সা -ঋা সা -া -া I
দূ ০ ০ র্ আ মি উ দা০ ০ সী ০ ০

I দ্া -সা সা | সা সা রা I জ্ঞা মা মা | মা মা -া I
রো উ দ্র মা খা নো অ ল স বে লা য়্

I মা মপা মপা | -মা জ্ঞরা মজ্ঞা I সা সরা -জ্ঞমজ্ঞা | জ্ঞঋা সা -া I
ত রু ম র্ ম ০ রে ছা য়া০ ০ ০ র্ খে লা য়্

I সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞরা জ্ঞা জ্ঞা I জ্ঞা -রা রমা মজ্ঞা -রা জ্ঞা I
কি ০ মূ র তি ত ব নী ল্ আ কা ০ শে

I সা ঋমা মজ্ঞা | ঋা সা ণ্দ্া I ণ্া সা -রা জ্ঞা -া -া I
ন য়় ০ নে উ ঠে গো০ আ ভা ০ সি ০ ০

I সা সা সা | -ঋা ঋমা জ্ঞা I ঋসা ণ্া -সঋা সা সা সা I
হে সু দূ র্ আ মি উ দা ০ ০ সী ও গো

I সা সা -দা | দা দা ণা I ণা ণা -র্সা | -া -া -া I
সু দূ র্ বি পু ল সু দূ ০ ০ ০ ০

I -া -া -া | র্সণা দা দপা I মা মণা -দা | দা দা ণা I
০ ০ র্ তু মি যে০ বা জা ও ব্যা কু ল

I র্সা -ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা | র্সা -া -া I র্সা -া র্সর্ঋা | র্ঋর্সা ণা -া I
বাঁ ০০ শ রী ০ ০ কো ক্ যে আ মা র্'

I ণদা -পা পণা | ণদা পা -দপা I মপমা জ্ঞা জ্ঞরা | জ্ঞা রজ্ঞা -মা I
রু দ্ ধ০ দু য়া র্ সে০ ক থা০ যে যা০ ই

I মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা | সা দ্‌া ণ্‌া II II
পা ০০ শ রি "আ মি"

স্বরবিতান ষট্‌ত্রিংশ খণ্ড প্রকাশিত হয় আষাঢ় ১৩৬১ সালে। এই গ্রন্থের সম্পাদনার দায়িত্ব বহন করেন ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী ও শ্রীঅনাদিকুমার দস্তিদার; কোনো-কোনো বিষয়ে শ্রীসুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, শ্রীশৈলজারঞ্জন মজুমদার ও রমেশচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়ের সহযোগিতা পাওয়া গিয়াছে।

এই গ্রন্থে প্রকাশিত ঊনত্রিশটি গানের স্বরলিপির মধ্যে ছাব্বিশটি গানের শ্রীসুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় -কৃত স্বরলিপি ছয় খণ্ডে প্রকাশিত ( ১৯১০ - ১৯১৮ খৃস্টাব্দ ) 'গীতলিপি'র কোনো-না-কোনো খণ্ডে মুদ্রিত; তদতিরিক্ত— 'আজ নাহি নাহি নিদ্রা' গানের কাঙ্গালীচরণ সেন -কৃত স্বরলিপি 'ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বরলিপি'র ষষ্ঠ খণ্ডে এবং 'আমি চঞ্চল হে' গানের দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি দ্বিতীয় ভাগ 'গীতলেখা'র পূর্বে মুদ্রিত হইয়াছে। 'বিশ্ববীণারবে' গানটির স্বরলিপি ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী -কৃত। উক্ত গানের সম্পূর্ণ স্বরলিপি 'স্বরলিপি-গীতি-মালা' ও 'শতগান' গ্রন্থে পূর্বে মুদ্রিত, অপরপক্ষে 'কেতকী' ও 'শেফালি' গ্রন্থে কেবলমাত্র অংশতঃ সংকলিত আছে।

এই গ্রন্থের অন্তর্ভুক্ত গান ও স্বরলিপি সম্পর্কে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্যাদি, এবং উহাদের সুরভেদ, ছন্দোভেদ, পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বর্তমান সংস্করণে সন্নিবিষ্ট হইল। উল্লিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস।

পৌষ ১৩৭৭

৪. জয় তব বিচিত্র আনন্দ

বৈতালিক ( চৈত্র ১৩২৫ )। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

মা পা I না না পা | মা -া | রা মা I …
স ব ক লু ষ না ০ শ ন

I ণা -মা মা | পা পা | না না I …
মৃ ০ ত্যু ত ব জ য়

২০. বিশ্ববীণারবে বিশ্বজন মোহিছে

স্বরলিপি-গীতি-মালা ( ১৩০৪ )। জ্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

শঙ্করা ভরণ—ঝাঁপতাল ও কাওয়ালি

( প্রবন্ধ )

২-৩।২

॥ ॥ । । | সন্ া -া ন্ া | সন্ ধ্ া -ন্ া | র্সা -ন্সন্ া ধ্ া I প্ া -া |
॥ । | বি — শ্ব | বী — | ণা, — র I বে — |

| প্ া প্ া | না না -া I না -া | … | -র্সা -া -সা -া I
(১) | ন ব | ব স — I ন্তে — | | — — — — I
(২) | আ — | ষা — — I ঢ়ে — | | — — — — I
(৩) | আ — | শ্বি নে — I — — | | — — — — I

২-৩।২

I । । | সা সা সা | র্সনা -া | না -া না I …
(১) I । । | শ্যা ম ল | কা — | ন্তা — র I
(২) I । । | প ব ন | ম — | ন্দ্র র I
(৩) I । । | উ থ লে | অ — | ম্বা — র I

শতগান ( ১৩০৭ )। সরলাদেবী -কৃত স্বরলিপি :

কথা—শ্রীরবীন্দ্রনাথ ঠাকুর            সুর—মহারাষ্ট্রীয় প্রবন্ধ

শঙ্করা ভরণ—তালফেরতা

৫॥ সন্২ ন্১ সন্১ ধ্ন্১ | স১ ন্সন্১ ধ্১ প্২ |… | প্১ প্১ | ন১ ন২ | ন২ …
বি শ বী — পা — র বে    ন ব ব স স্তে
— —    আ — ষা — ঢ়ে
আ — খি নে —

| র২ স২ ॥ ৫ ॥ —২ স১ স১ স১ | ন২ ন২ ন১ | …
— — — শ্যা ম ল বা স্তা র
— — — প ব ন ম ল্লা র
— — — উ ঠি ছে আ লা প

২২. তিমিরদুয়ার খোলো

বৈতালিক ( চৈত্র ১৩২৫ )। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

| র্সা -র্ঋর্জা র্ঋা র্সা | ণা -া দা মা I দা -া ণা -া | র্সা -র্ঋা -র্সর্ঋা -র্ভা | …
জ্যো • • তি বি ভা • সি ত ন • য় • নে • • •

২৯. আমি চঞ্চল হে, আমি সুদূরের পিয়াসি

গীতলেখা, দ্বিতীয় ভাগ ( ১৩২৫ )। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

দা স্বরকে সা স্বররূপে গণ্য করে স্বরলিপি মুদ্রিত।

## পাঠভেদ

৭. দাঁড়াও, মন, অনন্ত ব্রহ্মাণ্ড-মাঝে

বিপুল মহিমাময়, গগনে মহাসনে : গীতলিপি ১

বিপুল মহিমায় গগনে মহাসনে : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

৯. কার মিলন চাও, বিরহী

শান্তিসুখহীন, ওরে মন : গীতলিপি ১

শান্তিহীন ওরে মন : গান ( ১৯০৯ )
গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

১২. তিমিরময় নিবিড় নিশা

বাধা কিছু না মান, …
সমুখে অভয় তব : গীতলিপি ১

বাধা কিছু নাহি মানো, …
সম্মুখে অভয় তব : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

কাহার মুখে চাও : গীতলিপি ১

কাহার মুখ চাও : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

১৩. হৃদয়ে তোমার দয়া যেন পাই

হৃদয়ে তোমার যেন পাই ।
তব দয়া শান্তির নীরে : গীতলিপি ২

হৃদয়ে দয়া যেন পাই । …
তব দয়া শান্তিনীরে : গান ( ১৯০৯ )
গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

১৫. যদি আমায় তুমি বাঁচাও

যদি আমার মনের মলিন কালী : গীতলিপি ৫
গীতবিতান ১ ( ভাদ্র ১৩৪৫ )

যদি আমার মলিন মনের কালী : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

যদি নিশার তিমির গিয়ে টুটে : গীতলিপি ৫

যদি নিশার তিমির গিয়া টুটে : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ ও ভাদ্র ১৩৪৫ )

১৭. জাগে নাথ জোছনারাতে

জাগে নাথ জোছনারাতে : গীতলিপি ১
জাগে নাথ, জ্যোৎস্না রাতে : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

২০. বিশ্ববীণারবে বিশ্বজন মোহিছে

শুনি রে শুনি মর্মর পল্লবপুঞ্জে : স্বরলিপি-গীতি-মালা ( ১৩০৪ )
শতগান ( ১৩০৭ )
গান ( ১৯০৯ )

শুনি রে শুনি মর্মর পল্লবে-পুঞ্জে : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

মৃদু বায়ুহিলোলবিলোল বিভোল : শতগান ( ১৩০৭ )
মৃদু বায়ু-হিল্লোল-বিলোল বিভোল : স্বরলিপি-গীতি-মালা ( ১৩০৪ )
গান ( ১৯০৯ )
গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

অনিল সঞ্চারে ধীরে রে : স্বরলিপি-গীতি-মালা ( ১৩০৪ )
শতগান ( ১৩০৭ )

অনিল সঞ্চারে ধীরে : গান ( ১৯০৯ )
গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

২৩. পুষ্প ফুটে কোন্ কুঞ্জবনে

কোন্ নিভৃতে, ওরে …
বন্ধুহারা মম অন্ধ ঘরে
আছি বসে অবসন্ন মনে।
উৎসবরাজ কোথায় বিরাজে : গান ( ১৯০৯ )
গীতলিপি ১

কোন্ নিভৃতে রে, …
কাটিল ক্লান্ত বসন্ত নিশা
বাহির-অঙ্গন-সঙ্গি সনে,
উৎসবরাজ বিরাজ' কোথা : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

২৫. উতল-ধারায় বাদল ঝরে

উতল-ধারায় বাদল ঝরে,
বেলা যে যায় একা ঘরে। …
পরানখানি দেব পাতি—
চরণ রেখো তাহার 'পরে। : গীতলিপি ৬

উতল ধারা বাদল ঝরে,
সকাল বেলা একা ঘরে। ...
পরানখানি দিব পাতি'
চরণ রেখো তাহার 'পরে ॥ : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

উল্লিখিত অংশের পর গীতবিতানে ( আশ্বিন ১৩৩৮ ) এই স্তবকগুলি মুদ্রিত আছে :

ভুলে গিয়ে জীবন মরণ
লবো তোমায় ক'রে বরণ,
করিব জয় সরম-ত্রাসে,
দাঁড়াবো আজ তোমার পাশে ॥
বাঁধন বাধা যাবে জ্ব'লে,
সুখ দুঃখ দেবো দ'লে,
ঝড়ের রাতে তোমার সাথে
বাহির হবো অভয়-ভরে ॥
উতল ধারা বাদল ঝরে—
দুয়ার খুলে' এলে ঘরে।
চোখে আমার ঝলক্ লাগে,
সকল মনে পুলক জাগে,
চাহিতে চাই মুখে বাগে
নয়ন মেলে কাঁপি ডরে ॥

২৮. কী সুর বাজে আমার প্রাণে
সন্ধ্যা নামে বনের বাসে : গান ( ১৯০৯ )
গীতলিপি ৬
সন্ধ্যা নামে বনের বাসে : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )
সকাল-সাঁঝে বাঁশি বাজে : গীতলিপি ৬
সকাল-সাঁঝে বংশী বাজে : গান ( ১৯০৯ )
গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

২৯. আমি চঞ্চল হে, আমি সুদূরের পিয়াসি
ওগো, প্রাণে মনে আমি যে···
সে কথা যে যাই পাশরি ॥
আমি উন্মনা হে,
হে সুদূর আমি উদাসী। ··· : গীতলেখা ২ ( ১৩২৫ )
গীতবিতান ২ ( ভাদ্র ১৩৪৬ )

ওগো প্রাণমনে আমি যে…

সে কথা যে যাই পাশরি'।

আমি উৎসুক হে,

হে সুদূর, আমি প্রবাসী!

তুমি দুর্লভ দুরাশার মতো

কী কথা আমায় শুনাও সতত,

তব ভাষা শুনে তোমারে হৃদয়

জেনেছে তাহার স্বভাষী!

হে সুদূর, আমি প্রবাসী!

ওগো সুদূর, বিপুল সুদূর! তুমি যে

বাজাও ব্যাকুল বাঁশরি।

নাহি জানি পথ, নাহি মোর রথ

সে-কথা যে যাই পাশরি'।

আমি উন্মনা হে,

হে সুদূর, আমি উদাসী। … : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

কী মুরতি তব নীল আকাশে : গীতলেখা ২ ( ১৩২৫ )

কী মুরতি তব নীলাকাশশায়ী : গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ ও ভাদ্র ১৩৪৬ )

গীতলিপি ১-৬ খণ্ড প্রকাশ : ১৯১০-১৯১৮ খৃষ্টাব্দ।

## রচনাকাল/প্রকাশকাল

| গান | প্রকাশ | পূর্বতন স্বরলিপি | |
|---|---|---|---|
| | | সাময়িক পত্র/গ্রন্থ | স্বরলিপিকার |
| অমৃতের সাগরে আমি যাব | গান ( ১৯০৯ ) | গীতলিপি ২ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| আজ নাহি নাহি নিদ্রা | গান ( ১৯০৯ ) | স-প্র ১০।১৩১৫ | কাঙ্গালীচরণ সেন |
| | | ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বরলিপি ৬ | কাঙ্গালীচরণ সেন |
| | | পাঠান্তর : কেতকী | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| আজি কমলমুকুলদল খুলিল | রাজা ( ১৩১৭ ) | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| আমি চঞ্চল হে | উৎসর্গ ( ১৩২১ ) | প্রবাসী ৮।১৩২৪ | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | গীতলেখা ২ | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| উতল-ধারায় বাদল ঝরে | অচলায়তন ( ১৩১৮ ) | ভারতী ৬।১৩১৮ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | পাঠান্তর : কেতকী | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| কার মিলন চাও বিরহী | গান ( ১৯০৯ ) | স-প্র ৯।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| কী সুর বাজে আমার প্রাণে | কাব্যগ্রন্থ ৮ম (১৩১০) | স-প্র ১।১৩১৮ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| ঘোর দুঃখে জাগিনু | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| জয় তব বিচিত্র আনন্দ | গান ( ১৯০৯ ) | গীতলিপি ২ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | বৈতালিক | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| জাগ' জাগ' রে জাগ' সংগীত | গান ( ১৯০৯ ) | স-প্র ১০।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| জাগে নাথ জোছনারাতে | | স-প্র ১১।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| জাগো নির্মলনেত্রে | | গীতলিপি ৪ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| ডাকে বারবার ডাকে | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| তিমিরদুয়ার খোলো | গান ( ১৯০৯ ) | প্রবাসী ২।১৩১৬ | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | গীতলিপি ২ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | বৈতালিক | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| তিমিরবিভাবরী কাটে কেমনে | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |

| গান | প্রকাশ | পূর্বতন স্বরলিপি | |
|---|---|---|---|
| | | সাময়িক পত্র/গ্রন্থ | স্বরলিপিকার |
| তিমিরময় নিবিড় নিশা | | স-প্র ১১।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| তুমি আমাদের পিতা | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| দাঁড়াও, মন, অনন্ত ব্রহ্মাণ্ড-মাঝে | | স-প্র ১১।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| পুষ্প ফুটে কোন্ কুঞ্জ বনে | গান ( ১৯০৯ ) | স-প্র ১২।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| প্রথম আদি তব শক্তি | | গীতলিপি ৪ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| প্রভু আমার, প্রিয় আমার | | গীতলিপি ৪ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| প্রাণের প্রাণ জাগিছে | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| বিরহ মধুর হল আজি | রাজা ( ১৩১৭ ) | স-প্র ১২।১৩১৭ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| বিশ্ববীণারবে বিশ্বজন মোহিছে | কাব্যগ্রন্থাবলী (১৩০৩) | ভারতী ৬।১৩০৪ | সরলাদেবী |
| | | স্বরলিপি-গীতি-মালা | জ্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | শতগান | সরলাদেবী |
| | | অংশত : কেতকী | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | | ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী |
| | | অংশত : শেফালি | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | | ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী |
| মহারাজ, একি সাজে এলে | গান ( ১৯০৯ ) | স-প্র ১১।১৩১৬ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| | | গীতিলিপি ১ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| যদি আমায় তুমি বাঁচাও | | গীতলিপি ৫ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| রাখো রাখো রে জীবনে | | গীতলিপি ২ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| হৃদয়ে তোমার দয়া যেন পাই | গান ( ১৯০৯ ) | প্রবাসী ৫।১৩১৬ | দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর |
| | | গীতলিপি ২ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |
| হে নিখিলভারধারণ | | গীতলিপি ৪ | সুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় |

স-প্র — সঙ্গীত-প্রকাশিকা পত্রিকা

অধিকতর-সুনির্দিষ্ট ও অধুনা বিশ্বভারতী-অনুসৃত
আকারমাত্রিক স্বরলিপি-পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

১ স র গ ম প ধ ন— সপ্তক। খাদ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের নীচে হসন্ত, যথা— প্‌, ধ্‌, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের মাথায় রেফ, যথা— র্স, র্র।

২ কোমল র— ঋ, কোমল গ— জ্ঞ, কড়ি ম— হ্ম, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— ণ।

৩ ঋ১ =অতিকোমল ঋষভ। অতিকোমল ঋষভের স্থান স ও ঋ স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ১, দ১, ণ১ =যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ। ঋ২ =অণুকোমল ঋষভ। অণুকোমল ঋষভের স্থান ঋ ও র স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ২, দ২, ণ২ =যথাক্রমে অণুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।

৪ একমাত্রা = া। অর্ধমাত্রা = :। সিকিমাত্রা= ॰। দুইটি অর্ধমাত্রা, যথা— সরা। চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগমা। দুইটি সিকিমাত্রা, যথা— সর:। একটি সিকিমাত্রা, যথা— স॰। একটি অর্ধমাত্রা ও দুইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া একমাত্রা, যথা— স: গর:। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্ধমাত্রা মিলিয়া দুই মাত্রা, যথা— রা: গ:।

৫ কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আনুষঙ্গিক স্বর একটু ছুঁইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষুদ্র অক্ষরে আসল স্বরের বাম পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— মরা গরা। আসল স্বরের পরে যদি কখনো অন্য স্বরের ঈষৎ রেশ লাগে; তখন ঐ স্বর ক্ষুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— রাস।

৬ বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিত হইলে এবং স্বরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া বুঝিতে হইবে। সুরের ক্ষণিক স্তব্ধতাকে বিরাম বলে।

৭ তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্ হইতে তালের এক ফেরা হইয়া গেলে দাঁড়ির স্থলে I এরূপ একটি 'দণ্ড' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রত্যেক কলির আরম্ভে দুইটি দণ্ড বসে। যেখানে গান একেবারে শেষ হয় সেখানে চারিটি দণ্ড বসে।

৮ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ০ ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাঙ্ক নির্দেশ করে। শূন্য-চিহ্নে ( ০ ) ফাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে ( ১´ ) তাহাতেই সম্ বুঝিতে হইবে।

৯ আস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ দুইটি করিয়া দণ্ড বসে। কোনো কলির শেষে এই II যুগল দণ্ড এবং সবশেষে II II দুই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আস্থায়ীর প্রথমে যেখানে যুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

১০ আস্থায়ীর আরম্ভে, II এই যুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে, কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু " " এরূপ উদ্ধৃতি-চিহ্নের মধ্যে পুনঃ পুনঃ লিখিত হইয়া থাকে।

১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— সা। হয় এইখানে একেবারে থামিবে, নয় এইখানে থামিয়া গানের অন্য কলি ধরিবে।

১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুম্ফবন্ধনী; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া যাইবার চিহ্ন ( ) এই বক্র বন্ধনী, যথা—{ সা রা ( গা মা ) } । মা পা।

১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্বরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [ ] এই সরল বন্ধনীচিহ্নের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয়; যথা—[রা গা] { সা রা গা }। কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে দুই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে [ ] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [ ] I, II [ ] II, আস্থায়ীতে ফিরিয়া পরিবর্তিত স্বর গাহিতে হয়।

১৪ কোনো এক স্বর যখন আর এক স্বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তখন স্বরের নীচে ‿ এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে; যথা— গা -পা

১৫ যখন স্বরের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তখন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্শ্বে হাইফেন ( - ) বসে এবং গানের পংক্তিতে শূন্য ( ০ ) দেওয়া হয়; যথা— সা -া -া -া। অথবা— সা -রা গা -মা। একই স্বর পৃথক ঝোঁকে

মা • • •   মা • • •

উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্শ্বেও হাইফেন বসে; যথা—

সা -সা -রা -রা। অথবা— সা -সা -রা -রা।

মা • • •   গা • • ন্

১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরান্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্শ্বে হাইফেন ( ) বসে; যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া।

গা • • ন্   গা • • ন্

**উচ্চারণ** স্বরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অনুযায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে। ে =এ এবং ে =অ্যা, যেরূপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাশ্রিত একারের মুদ্রণে ইঙ্গিত করা হইয়াছে। তাহা ছাড়া 'অবেলায়' বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য়। 'মনে'— ম নে।

স্বরবিতান ৩৬